रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28092020-222063
CG-DL-E-28092020-222063

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 392] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 25, 2020/आश्विन 3, 1942
No. 392] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 25, 2020/ASVINA 3, 1942

भारतीय उपचर्या परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 2020

फा.सं. 11–1/2019–आईएनसी.— समय–समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) की धारा 16(1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम, 2019 हेतु निम्नलिखित विनियम बनाती है:–

लघु शीर्षक और प्रवर्तन.–

1. ये विनियम **बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम, 2019** कहलायेंगे।

2. ये विनियम भारत के राजपत्र में इनकी अधिसूचना/प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

पाठ्यक्रम

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम, 2019

I. भूमिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति दस्तावेज (एनएचपी, 2017) में तृतीयक देखभाल सेवाओं का विस्तार करने, विशेषज्ञ नर्स तैयार करने और नर्सों के लिये नैदानिक प्रशिक्षण के मानकीकरण पर जोर दिया गया है। इसके प्रत्युत्तर स्वरूप, भातीय उपचर्या परिषद् ने मौजूदा विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम को योग्यता पर आधारित प्रशिक्षण दृष्टिकोण अपनाते हुए एक एक–वर्षीय पोस्ट

बेसिक डिप्लोमा आवासीय कार्यक्रमों के रूप में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग कार्यक्रम, संशोधित दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा विकसित किया गया एक ऐसा नया विशिष्ट पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है जो जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों, जिनकी नैदानिक परीक्षण, उपचार और देखभाल की आवश्यकतायें जटिल और गहन होती हैं, को सक्षम देखभाल प्रदान कर सकें।

'जलना' स्वस्थ व्यक्ति के जीवन में आने वाली सबसे भयंकर पस्थितियों में से एक है। इसके घाव रोगी के जीवन के हर पहलू पर प्रहार करते हुए दिखाई पड़ते हैं। शारीरिक रूप से दृश्य और मनोवैज्ञानिक रूप से अदृश्य घावों के निशान बहुत लंबे समय तक चलने वाले होते हैं और रोगी को अक्सर चिरकालिक विकलांगता की ओर ले चाते हैं। जलने के घाव स्वास्थ्य कर्मियों के लिये विभिन्न प्रकार की विशेष चुनौतियां खड़ी कर देते हैं। जलने से पीड़ित रोगियों की इष्टतम देखभाल के लिये एक बहु–विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इससे शरीर के बहुत से भाग प्रभावित होते हैं अतः इनकी जटिलता को देखते हुए जलने से पीड़ित रोगियों को बर्न्स में प्रशिक्षित नर्सों द्वारा गहन विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता होती है। सकारात्मक रोगी परिणाम बर्न्स केयर टीम की संरचना, उनकी प्रतिबद्धता, विशिष्ट कौशल और उसके सदस्यों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर निर्भर हैं। जलने से पीड़ित रोगियों के उपचार प्रबंधन में नर्सों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

बर्न्स नर्सिंग अभ्यास में ऊर्जस्वी और अत्यधिक कुशल तथा जटिल देखभाल की आवश्यकता होती है। जलने से पीड़ित रोगियों के साथ–साथ उनके परिवार के सदस्यों को भी काफी चोट पहुंचती है। जलने से पीड़ित रोगियों का स्वास्थ्य लाभ मुख्यतः कुशल नर्सिंग देखभाल पर निर्भर करता है। जलने से पीड़ित रोगियों की देखभाल में विशेषज्ञ नर्सों को संवदेनशील होना चाहिये और रोगी तथा उनके परिवार के सदस्यों के साथ मिलनसार होना चाहिये।

II. दर्शन

भारतीय उपचर्या परिषद् का मानना है कि पंजीकृत नर्सों को अभ्यास के विभिन्न नये विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करने के लिये विशेषज्ञ नर्सों के रूप में आगे प्रशिक्षित होने की आवश्यकता है और यह प्रशिक्षण योग्यता पर आधारित होना चाहिये। विशेषज्ञ नर्सों की जरूरत वाला एक ऐसा क्षेत्र बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग है। बर्न्स नर्सिंग, रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी तथा तकनीक में हुई प्रगति और नर्सों की बढ़ती भूमिकाओं के मद्देनजर जलने के कारण विभिन्न प्रकार के घावों से पीड़ित रोगियों और साथ ही पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों को सक्षम, कुशल और उचित देखभाल प्रदान करने के लिये नर्सों को विशेष कौशल और जानकारी प्रदान करने के लिये अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

III. पाठ्यक्रम संरचना

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा प्रशिक्षण एक–वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है और इस पाठ्यक्रम की अवधारणा में अभ्यास के अलावा बुनियादी लघु पाठ्यक्रम और विशिष्ट नर्सिंग अभ्यासों के लिये बृहद विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्मिलित किये गये हैं।

व्यावसायिक कुशलता, संवाद और रोगी प्रशिक्षण, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन, तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, बर्न्स नर्सिंग एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग अभ्यास के बुनियादी लघु पाठ्यक्रम हैं, जिनका लक्ष्य छात्रों को जवाबदेह, प्रतिबद्ध, कुशल और सक्षम विशेषज्ञ नर्स की तरह कार्य करने की आवश्यक जानकारी, दृष्टिकोण और दक्षता प्रदान करना है। प्रमुख विशिष्ट पाठ्यक्रमों को बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–1 और बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–2 के तहत सुनियोजित किया गया है।

स्पेशियलिटी नर्सिंग–1 में बर्न्स नर्सिंग एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी का संदर्भ/परिचय और बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान (बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग के अंतर्गत आने वाली नैदानिक परिस्थितियों के निदान, उपचार और देखभाल में सामान्य विज्ञान की जानकारी का उपयोग) शामिल हैं। स्पेशियलिटी नर्सिंग–2 में जलने के कारण विभिन्न प्रकार के घावों और विकृतियों तथा साथ ही पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों का नर्सिंग प्रबंधन शामिल है, जिसमें मूल्यांकन, निदान, उपचार और विशिष्ट मध्यवर्तन तथा रोगी की सुरक्षा और गुणवत्ता और साथ ही बीमारी की विशिष्ट क्षतिपूर्ति सम्मिलित हैं। बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग आवासीय कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की रूपरेखा निम्नलिखित चित्र–1 में दर्शाई गई है।

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम

बर्न्स नर्सिंग पाठ्यक्रम के मूल **स्पेशियलिटी (बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी) नर्सिंग पाठ्यक्रम**

चित्र–1. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

IV. उद्देश्य/अभिप्राय और कार्यनिर्वाह क्षमतायें

उद्देश्य

इस कार्यक्रम को विशेष कौशल, जानकारी और प्रवृत्ति वाले ऐसे नर्स तैयार करने के लिये बनाया गया है जो जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों को अस्पताल में भर्ती से पूर्व एवं भर्ती के बाद तथा स्वास्थ्य लाभ (पुनर्वास) के दौरान देखभाल प्रदान कर सकें। इसका उद्देश्य तकनीकी रूप से योग्य और प्रशिक्षित ऐसे विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है, जो तृतीयक और चतुर्थक अस्पतालों की बर्न्स इकाईयों में उच्च स्तर की देखभाल प्रदान कर सफलतापूर्वक इष्टतम कार्य कर सकें।

कार्यनिर्वाह क्षमतायें

कार्यक्रम के पूरा होने पर, बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिस्ट नर्स निम्नांकित कार्य करने में सक्षम होंगे:–

1. भारतीय उपचर्या परिषद् के सदाचारी, परोपकारी, कानूनी, नैतिक, विनियामक और मानवतावादी सिद्धांतों के अनुरूप मानकों के अनुसार अभ्यास में नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में पेशेवर जवाबदेही प्रदर्शित करना।
2. रोगियों, परिवारीजनों और व्यावसायिक सहयोगियों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करना जिससे आपस में सम्मान की भावना को बढ़ावा मिले और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के साझा निर्णय लिये जा सके।
3. उपचार और देखभाल में रोगियों और परिवारीजनों की प्रभावी रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये उन्हें प्रशिक्षित करना और परामर्श देना और संकट तथा वियोग की स्थिति में उनकी मुकाबला करने की क्षमता में वृद्धि करना।
4. नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और सहयोगी तथा प्रभावी टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिये उनका बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी देखभाल परिस्थितियों में उपयोग करना।

5. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग अभ्यास में व्यावहारिक निर्णय लेने के लिये नैदानिक विशेषज्ञता और रोगी की वरीयताओं के लिहाज से, अनुभव और मूल्यों के साथ बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी देखभाल और उपचार में सामयिक सर्वोत्तम प्रमाणों की पहचान, मूल्यांकन और उपयोग करना।

6. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में ऐसे वैज्ञानिक कार्यक्रमों का उत्तरदायित्व लेना, जो शोध प्रक्रिया की बुनियादी समझ के साथ साक्ष्य–आधारित बर्न्स नर्सिंग देखभाल में योगदान देते हैं।

7. जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों और उनके परिवारीजनों की दैहिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समस्याओं के आंकलन, निदान और उपचार में सामान्य विज्ञान को अपनाना।

8. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग की अवधारणा और सिद्धांतों को अपनाना।

9. जलने से पीड़ित रोगियों की अस्पताल में भर्ती से पूर्व देखभाल और अस्पताल तक ले जाने में समझबूझ का प्रदर्शन करना।

10. जलने पर अस्पताल में सुरक्षित सक्षम देखभाल, आपातिक देखभाल और तीव्र देखभाल प्रदान करना।

11. जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों की देखभाल में नर्सिंग प्रक्रिया को अपनाना।

12. तरलीय पुनर्जीवन प्रदान करने से प्रासंगिक जलने से पीड़ित रोगियों, जलने के घावों के इलाज और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों की देखभाल में विशिष्ट देखभाल दक्षता/कौशल का प्रदर्शन करना।

13. संक्रमण नियंत्रण और रोगी सुरक्षा प्रोटोकॉल अपनाना।

14. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी उपचार और देखभाल क्षेत्र में हाल में हुई प्रगति की समझ का प्रदर्शन करना।

15. जलने पर प्रभावी मनोसामाजिक देखभाल और पुनर्वास प्रदान करना।

16. बर्न्स इकाई और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल इकाई में नैदानिक आकलन करना और गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना।

17. नर्सिंग कर्मियों की विभिन्न श्रेणियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

V. कार्यक्रम का विवरण और अभ्यास का क्षेत्र

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा एक वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है, जिसका मुख्य फोकस योग्यता आधारित प्रशिक्षण रखा गया है। पाठ्यक्रम की अवधारणा में अभ्यास के अलावा बुनियादी पाठ्यक्रम और विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्मिलित किये गये हैं। इसका 10 प्रतिशत भाग सैद्धांतिक और 90 प्रतिशत भाग नैदानिक और प्रयोगशाला अभ्यास है।

कार्यक्रम के पूरा होने पर प्रमाणपत्र मिलने और संबंधित राज्य उपचर्या परिषद् में अतिरिक्त योग्यता के रूप में पंजीकृत होने पर, ऐसे विशेषज्ञ नर्सों को केवल बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी अस्पतालों/विभागों/इकाईयों में विशेषज्ञ नर्स के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिये। वे कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित दक्षताओं, विशेष रूप से भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम की लॉगबुक में निर्धारित प्रक्रियात्मक दक्षताओं/नैदानिक कौशल के अनुसार अभ्यास करने में सक्षम होंगे। विशेषज्ञ नर्सों को संबंधित संस्थानों द्वारा संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार उन विशिष्ट प्रक्रियात्मक दक्षताओं का अभ्यास करने का विशेषाधिकार दिया जा सकता है। विशेषज्ञ नर्स संवर्ग/पदों का सृजन सरकारी/सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में किया जाना चाहिये। यह डिप्लोमा भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/राज्य उपचर्या परिषद्/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जायेगा।

VI. बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये न्यूनतम अर्हतायें/दिशानिर्देश

कार्यक्रम का संचालन कहां–कहां किया जा जा सकता है –

1. नर्सिंग में डिग्री कार्यक्रम का संचालन करने वाले नर्सिंग कॉलेज जो स्वयं के अपने 200 बिस्तर वाले अपने स्वयं के ऐसे विशिष्ट अस्पताल/तृतीयक अस्पताल से संबद्ध हों जिनमें विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक बर्न्स देखभाल इकाई, बर्न्स आईसीयू, और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई/विभाग उपलब्ध हों।

अथवा

200 बिस्तर वाले बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में डीएनबी/फेलोशिप कार्यक्रम की पेशकश करने वाले अस्पताल जिनमें शीघ्र उन्मूलन, त्वचा ग्राफ्टिंग, त्वचा बैंकिंग और त्वचा पुनर्जनन प्रयोगशाला तथा विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं वाली नैदानिक, चिकित्सीय और समर्पित बर्न्स आईसीयू के साथ अत्याधुनिक बर्न्स देखभाल इकाई और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई/विभाग उपलब्ध हों।

2. उपरोक्त पात्र संस्थान को संबंधित राज्य उपचर्या परिषद् से विशेष शैक्षणिक वर्ष के लिये बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये मान्यता लेनी होगी। जोकि एक अनिवार्य आवश्यकता है।

3. भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा उपरोक्त दस्तावेजों/प्रस्तावों की प्राप्ति के पश्चात मान्यता प्राप्त नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान का भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के तहत बनाये गये विनियमों के अनुरूप अध्यापन संकाय और नैदानिक एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में उपयुक्तता का आकलन करने के लिये भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 की धारा 13 के तहत वैधानिक निरीक्षण किया जायेगा।

1. नर्सिंग शिक्षण संकाय

क) 1 : 10 के अनुपात में पूर्णकालिक शिक्षण संकाय।

ख) शिक्षण संकाय में कम से कम दो (2) सदस्य होने चाहिये।

ग) योग्यता एवं संख्या:

1. मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग/बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में एम.एससी. – 1
2. बी.एससी. (नर्सिंग)/पी.बी.बी.एससी. (नर्सिंग) के साथ बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – 1

घ) अनुभव: बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में कम से कम तीन (3) वर्ष का नैदानिक अनुभव।

ङ) अतिथि संकाय: संबंधित विशिष्टताओं में बहु–विषयक।

च) प्रीसेप्टर:

- नर्सिंग प्रीसेप्टर: पूर्णकालिक जी.एन.एम. के साथ विशिष्ट नर्सिंग (बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग) में छः (6) वर्ष, या बी.एससी. (नर्सिंग) के साथ विशिष्ट नर्सिंग में दो (2) वर्ष, या एम.एससी. (नर्सिंग) के साथ विशिष्ट नर्सिंग में एक (1) वर्ष का विशिष्ट देखभाल केंद्र में कार्य करने का अनुभव।
- मेडिकल प्रीसेप्टर: स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त विशेषज्ञ (बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विशेषज्ञ) डॉक्टर (स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त करने के बाद तीन (3) वर्ष का अनुभव/संकाय स्तर अथवा सलाहकार स्तर वालों को वरीयता दी जायेगी)।
- प्रीसेप्टर छात्र अनुपात: **नर्सिंग** में 1 : 10, **मेडिकल** में 1 : 10 (प्रत्येक छात्र एक मेडिकल प्रीसेप्टर और एक नर्सिंग प्रीसेप्टर से संबद्ध होना चाहिये)।

2. बजट:

संस्थान के कुल बजट में इस कार्यक्रम के लिये आवश्यक कर्मचारियों के वेतन, अतिथि संकाय और अंशकालिक शिक्षकों के लिये मानदेय, लिपिकीय सहायता, पुस्तकालयी और आकस्मिक व्यय के लिये प्रावधान होना चाहिये।

3. अस्पताल/कॉलेज में भौतिक और शिक्षण सुविधायें:

क) नैदानिक क्षेत्र में एक अध्ययन कक्ष/सम्मेलन कक्ष।

ख) अस्पताल/कॉलेज में कृत्रिम अध्ययन (सिम्युलेटेड लर्निंग) के लिये कौशल प्रयोगशाला। **कौशल प्रयोगशाला हेतु आवश्यक वस्तुओं की सूची परिशिष्ट–1 में दी गई है।**

ग) ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ पुस्तकालय और कंप्यूटर सुविधायें:

1. कॉलेज में बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग अनुसंधान और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय होना चाहिये।

अथवा

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग अनुसंधान और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं के लिये मेडिकल कॉलेज/अस्पताल के पुस्तकालय का उपयोग करने की अनुमति होनी चाहिये।

2. इंटरनेट की सुविधा के साथ कंप्यूटर।

घ) ई–लर्निंग सुविधायें

ङ) शिक्षण संसाधन – उपयोग करने हेतु निम्नांकित सुविधायें उपलब्ध होनी चाहिये:

1. ओवरहेड प्रोजेक्टर,
2. वीडियो देखने की सुविधा,
3. एलसीडी प्रोजेक्टर,
4. सीडी, डीवीडी और डीवीडी प्लेयर,
5. कौशल अध्ययन के लिये उपयुक्त उपकरण, मैनीकिंस और सिमुलेटर्स।

च) कार्यालयी सुविधायें:

1. लिपिक, चपरासी, सफाई कर्मचारी की सेवायें।
2. कार्यालय, उपकरण और आपूर्ति की सुविधा, जैसे
   - स्टेशनरी,
   - प्रिंटर के साथ कंप्यूटर,
   - जीरोक्स मशीन,
   - टेलीफोन एवं फैक्स

4. नैदानिक सुविधायें

क) कम से कम 200 बिस्तर वाले अपने स्वयं के स्पेशियलिटी अस्पताल/तृतीयक अस्पताल जिनमें विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक बर्न्स देखभाल इकाई, बर्न्स आईसीयू, और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई/विभाग उपलब्ध हों।

ख) 200 वाले क्षेत्रीय केंद्र या बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी अस्पताल जिनमें विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक बर्न्स देखभाल इकाई, बर्न्स आईसीयू, और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई/विभाग उपलब्ध हों।

ग) अस्पताल में उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और देखभाल सुविधाओं वाले कम से कम 30 बिस्तर होने चाहिये।

घ) इकाइयों में भारतीय उपचर्या परिषद् मानदंडों के अनुसार नर्स स्टाफ उपलब्ध होना चाहिये।

ङ) छात्र रोगी अनुपात 1 : 3 होना चाहिये।

5. प्रवेश हेतु नियम व शर्तें/प्रविष्टि अर्हतायें

इस कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्र को,

क) एनयूआईडी नंबर के साथ किसी एक राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषद् (एसएनआरसी) में एक पंजीकृत नर्स (आर.एन. एंड आर.एम.) या समकक्ष होना चाहिये।

ख) नामांकन से पहले अधिमानतः बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई में स्टाफ नर्स के पद पर कम से कम एक वर्ष का नैदानिक अनुभव होना चाहिये।

ग) शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिये।

घ) आयोजित प्रवेश परीक्षा और सक्षम अधिकारी द्वारा साक्षात्कार की योग्यता के आधार पर चयन किया जाना चाहिये।

ङ) अन्य देशों के नर्सों को प्रवेश से पहले भारतीय उपचर्या परिषद् से समतुल्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

6. सीटों की संख्या

200 बिस्तर तथा 30 विशिष्ट बिस्तर वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 10 और 500 बिस्तर व 60 विशिष्ट बिस्तर वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 20

7. अभ्यर्थियों की संख्या

3 विशिष्ट बिस्तरों के लिये 1 अभ्यर्थी।

8. वेतन

क). सेवारत अभ्यर्थियों को नियमित वेतन मिलता रहेगा।

ख) अन्य अभ्यर्थियों को कार्यक्रम का संचालन करने वाले अस्पताल की वेतन संरचना के अनुसार वजीफा/वेतन मिलेगा।

VII. परीक्षा विनियम एवं प्रमाणीकरण

परीक्षा विनियम

परीक्षा संचालन एवं डिप्लोमा प्रदान करने वाले प्राधिकरणः भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/राज्य उपचर्या परिषद्/विश्वविद्यालय।

1. परीक्षा में बैठने हेतु पात्रता

क) उपस्थितिः सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक – 80 प्रतिशत। परन्तु प्रमाणपत्र मिलने से पहले 100 प्रतिशत नैदानिक उपस्थिति होना अनिवार्य है।

ख) लॉगबुक और नैदानिक आवश्यकताओं जैसी जरूरी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने हेतु पात्र होंगे और अंतिम परीक्षा में बैठ सकते हैं।

2. प्रायोगिक परीक्षा

क) वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई): आंतरिक और अंतिम परीक्षा दोनों में मौखिक परीक्षा के साथ–साथ वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) आयोजित की जायेगी। विस्तृत दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।

ख) प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकनः अंतिम आंतरिक और बाह्य परीक्षा में मौखिक परीक्षा के साथ–साथ वास्तविक परिस्थितियों में नैदानिक प्रदर्शन का आंकलन और 3–4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन और कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन) भी शामिल होगा। नैदानिक क्षेत्र में आंकलन की न्यूनतम अवधि 5–6 घंटे होगी। मूल्यांकन दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।

ग) प्रति दिन छात्रों की अधिकतम संख्या = 10 छात्र।

घ) परीक्षा केवल नैदानिक क्षेत्र में ही आयोजित की जानी चाहिये।

ङ) प्रायोगिक परीक्षक दल में, एक आंतरिक परीक्षक – संबंधित विशिष्ट कार्यक्रम में शिक्षण के दो (2) वर्ष के अनुभव के साथ एम.एससी./स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात पांच (5) वर्ष के अनुभव के साथ एम. एससी. (मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग) अर्हता धारक नर्सिंग संकाय, एक बाह्य परीक्षक – उपरोक्त अनुभव एवं अर्हता धारक नर्सिंग संकाय, और एक चिकित्सीय आंतरिक परीक्षक जो विशिष्ट कार्यक्रम के लिये प्रीसेप्टर होना चाहिये, शामिल होंगे।

च) प्रायोगिक परीक्षक और सैद्धांतिक परीक्षक एक ही नर्सिंग संकाय होने चाहिये।

3. उत्तीर्णता मानक

क) प्रत्येक अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिये सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा के आंतरिक आंकलन और बाह्य परीक्षा दोनों में मिलाकर कम से कम कुल 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण माना जायेगा।

ख) छात्र को उत्तीर्ण होने के लिये अधिकतम तीन (3) अवसर प्रदान किये जायेंगे।

ग) यदि छात्र सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से किसी एक में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से जिस में अनुत्तीर्ण हुआ है केवल वही परीक्षा पुनः देनी होंगी।

प्रमाणीकरण

क) **शीर्षक** – बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

ख) निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा अनुमोदित परीक्षा बोर्डो/राज्य उपचर्या परिषद्/विश्वविद्यालय द्वारा एक डिप्लोमा से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें लिखा होगा कि,

1. अभ्यर्थी ने बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं का अध्ययन पूरा कर लिया है।
2. अभ्यर्थी ने सैद्धांतिक में 80 प्रतिशत और नैदानिक में 100 प्रतिशत आवश्यकतायें पूरी कर ली हैं।
3. अभ्यर्थी ने निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

VIII. परीक्षा प्रणाली

पाठ्यक्रम	आंतरिक आंकलन अंक	बाह्य आंकलन अंक	कुल अंक	परीक्षा अवधि घंटे (बाह्य)
सैद्धांतिक (अनुभविक/आवासीय अध्ययन) बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग–1 व भाग–2) (भाग–1 – बुनियादी नर्सिंग के साथ बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–1, भाग–2 – बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–2)	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
प्रायोगिक (बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग) • वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) • पर्यवेक्षित प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकनः मौखिक परीक्षा के साथ–साथ वास्तविक परिस्थितियों में प्रत्यक्ष अवलोकन – 3–4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन व कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन)	75 (25+50) (ओएससीई–25 एवं प्रायोगिक अवलोकन–50)	150 (50+100) (ओएससीई–50 एवं प्रायोगिक अवलोकन–100)	225	नैदानिक क्षेत्र में कम से कम 5–6 घंटे
कुल योग	**100**	**225**	**325**	

IX. कार्यक्रम की बनावट/संरचना

1. अनुदेश पाठ–योजना
2. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन
3. नैदानिक अभ्यास (आवासीय पदस्थापन)
4. प्रशिक्षण विधियां
5. मूल्यांकन विधियां
6. लॉग बुक और नैदानिक आवश्यकतायें

1. अध्ययन निपुणता (कौशल प्रयोगशाला अभ्यास) और नैदानिक अभ्यास सहित अनुभवात्मक अधिगम दृष्टिकोण अपनाते हुए अनुदेश पाठ–योजना

		सैद्धांतिक (घंटे)	प्रयोगशाला/कौशल प्रयोगशाला (घंटे)	नैदानिक (घंटे)
1.	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल** 1. व्यावसायिक कुशलता 2. विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम में संवाद, रोगी शिक्षा और परामर्श 3. विशेष देखभाल परिस्थितियों में नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन	40		
2.	4. विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम में साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त अनुसंधान **बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग पाठ्यक्रम** **बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–1** 1. विशिष्ट नर्सिंग का संदर्भ/परिचय 2. विशेष देखभाल में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान – एनाटॉमी व फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी व पैथोफिजियोलॉजी जैसी नैदानिक स्थितियों का निदान और उपचार	40	10	
	बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–2 1. मूल्यांकन, निदान, उपचार और विशेष मध्यवर्तन के साथ नैदानिक परिस्थितियों में नर्सिंग प्रबंधन 2. रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता 3. विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (सहयोगी देखभाल/ प्रशामक देखभाल/पुनर्वास, व्यक्ति, परिवार और समुदाय पर बीमारी का प्रभाव)	120	30	1730
कुल योग = 1970 घंटे		**200 (5 सप्ताह)**	**40 (1 सप्ताह)**	**1730 (38 सप्ताह)**

एक वर्ष में उपलब्ध कुल सप्ताह – 52 सप्ताह (सैद्धांतिकः 10 प्रतिशत एवं कौशल प्रयोगशाला + नैदानिकः 90 प्रतिशत)

- वार्षिक अवकाश + आकस्मिक अवकाश + अस्वस्थता अवकाश + सार्वजनिक अवकाश = 6 सप्ताह
- परीक्षा की तैयारी और परीक्षा = 2 सप्ताह
- सैद्धांतिक और प्रायोगिक = 44 सप्ताह

2. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन

ब्लॉक कक्षायें – 2 सप्ताह × 40 घंटे = 80 घंटे;

आवासीय – 42 सप्ताह ×45 घंटे प्रति सप्ताह = 1890 घंटे

कुल = 1970 घंटे

- ब्लॉक कक्षायें (सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला अनुभव = 2 सप्ताह × 40 घंटे प्रति सप्ताह (80 घंटे)
  (सैद्धांतिक = 74 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 6 घंटे, कुल = 80 घंटे)
- सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला सहित नैदानिक अभ्यास = 42 सप्ताह × 45 घंटे प्रति सप्ताह (1890 घंटे)
  (सैद्धांतिक = 126 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 34 घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे, कुल = 1890 घंटे)

सैद्धांतिक = 200 (74+126) घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 40 (6+34) घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे

नैदानिक अनुभव के दौरान सैद्धांतिक के 126 घंटे और कौशल प्रयोगशाला अध्ययन के 34 घंटे को एकीकृत किया जा सकता है। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रशिक्षित करने में निपुण अध्ययन और अनुभवात्मक अध्ययन दृष्टिकोण का उपयोग किया जाना है। कौशल प्रयोगशाला अर्हताओं के लिये परिशिष्ट–1 देखें।

3. नैदानिक अभ्यास

आवासीय नैदानिक अनुभवः– हालांकि न्यूनतम 45 घंटे प्रति सप्ताह निर्धारित है, लेकिन अलग–अलग पारियों और प्रत्येक सप्ताह या पखवाड़े ऑन कॉल ड्यूटी करने पर परिस्थिति अनुसार होगा।

नैदानिक पदस्थापनः– प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रों का निम्नांकित नैदानिक क्षेत्रों में पदस्थापन किया जायेगाः–

क्र.सं.	नैदानिक क्षेत्र	सप्ताह
1	बर्न्स बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी/प्लास्टिक सर्जरी बाह्य रोगी विभाग	2
2	बर्न्स आपातकालीन और बर्न्स पट्टी कक्ष (बर्न्स केजुअल्टी एंड बर्न्स ड्रेसिंग रूम)	2
3	बर्न्स वार्ड	22
4	बर्न्स आईसीयू	8
5	रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी वार्ड	4
6	बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी ऑपरेशन थिएटर	2
7	पुनर्वास/फिजियोथेरेपी/ऑक्यूपेशनल थेरेपी	1
8	क्षेत्रीय दौरे (फील्ड ट्रिप)	1
	कुल योग	**42**

आवासीय छात्र अलग–अलग पारियों में स्टाफ नर्स/नर्सिंग अधिकारियों की कार्य सूची का ही पालन करेंगे। इसके अलावा, 40 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह 4 घंटे उनके अध्ययन के लिये होंगे (जैसे – संकाय व्याख्यान – 1 घंटा, नर्सिंग और अंतःविषयक संवाद – 1 घंटा, नैदानिक प्रस्तुतियां, केस स्टडी रिपोर्ट और नैदानिक कार्य – 1 घंटा और कौशल प्रयोगशाला अभ्यास – 1 घंटा), इस प्रकार कुल 126 घंटे सैद्धांतिक और 34 घंटे कौशल प्रयोगशाला अभ्यास के लिये होंगे। नैदानिक पदस्थापन के दौरान शोध प्रक्रिया के सोपानों पर आधारित एक लघु सामूहिक अनुसंधान परियोजना आयोजित की जा सकती है जिसकी लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी होगी।

4. शिक्षण विधियां

सैद्धांतिक, कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक शिक्षण निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा किये जा सकते हैं और नैदानिक पदस्थापन के दौरान एकीकृत किये जा सकते हैंः–

- केस/नैदानिक प्रस्तुति और केस स्टडी रिपोर्ट
- ड्रग स्टडी और प्रस्तुति
- बेडसाइड क्लिनिक/नर्सिंग राउंड्स/इंटरडिसिप्लिनरी राउंड
- जर्नल क्लब/नैदानिक संगोष्ठी
- नैदानिक क्षेत्र में शिक्षकों के व्याख्यान और परिचर्चा
- कौशल प्रयोगशाला में और बेडसाइड पर अभिव्यक्ति और कौशल प्रशिक्षण
- निर्देशित पढ़न/स्व–अध्ययन
- रोल प्ले
- संगोष्ठी/सामूहिक प्रस्तुति
- सामूहिक अनुसंधान परियोजना
- नैदानिक कार्य
- रोगी की वचनवद्धता शिक्षा (सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर स्वास्थ्य परिणामों को सुधारने में सुधार लाने के लिये सावधानीपूर्वक निर्णय लेने हेतु छुट्टी देने की योजना और अनुवर्ती कार्रवाई आदि में रोगियों को साझी बनाना)।
- राष्ट्रीय/क्षेत्रीय बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी केंद्र के शैक्षिक दौरे।

5. मूल्यांकन विधियां

- लिखित परीक्षा

- प्रायोगिक परीक्षा – ओएससीई और प्रायोगिक अवलोकन (वास्तविक परिस्थितियों में नैदानिक प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अवलोकन)
- लिखित कार्य
- परियोजना
- केस स्टडी/देखभाल योजना/नैदानिक प्रस्तुति/ड्रग स्टडी
- नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन
- नैदानिक कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा करना।

मूल्यांकन दिशानिर्देशों के लिये परिशिष्ट–2 देखें।

6. नैदानिक लॉग बुक/प्रक्रिया पुस्तक

प्रत्येक नैदानिक पदस्थापन के अंत में, नैदानिक लॉग बुक (विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक कौशल) **(परिशिष्ट–3)**, नैदानिक अर्हतायें **(परिशिष्ट–4)** और नैदानिक अनुभव विवरण **(परिशिष्ट–5)** पर संबंधित नैदानिक संकाय/प्रीसेप्टर द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिये।

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के बुनियादी सिद्धांत :

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, रोगी प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त अनुसंधान

कुल सैद्धांतिक घंटे: 40

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, रोगी प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त अनुसंधान की समझ विकसित करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषयवस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/ मूल्यांकन विधियां
1	6	व्यावसायिक कुशलता की समझ का प्रदर्शन और बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता का प्रदर्शन करना	**व्यावसायिक कुशलता** • **व्यावसायिक कुशलता:** अभिप्राय और सिद्धांत – बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास में जवाबदेही, सुविज्ञता, दृश्यता और नैतिकता • व्यावसायिक मूल्य और व्यावसायिक व्यवहार • भारतीय उपचर्या परिषद् आचार संहिता, व्यावसायिक आचरण संहिता और अभ्यास मानक • बर्न्स नर्सिंग और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी से संबंधित नैतिक मुद्दे • नर्स–नर्स प्रेक्टिशनर की प्रसारी भूमिका • व्यावसायिक संगठन • सतत नर्सिंग शिक्षा	• परिचर्चा	• बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग से संबंधित आचार संहिता का वर्णन करना
	2	बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग अभ्यास के चिकित्सीय–विधिक पहलुओं का वर्णन करना	**चिकित्सीय–विधिक पहलू** • बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग से संबंधित कानून और नियम • उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम • लापरवाही और कदाचार • चिकित्सीय–विधिक पहलू • रिकॉर्ड और रिपोर्ट • बर्न्स स्पेशियलिस्ट नर्सों की कानूनी जिम्मेदारियां	• व्याख्यान	• रोगियों का रिकॉर्ड रखना
2	12	जलने से पीड़ित रोगियों, परिवारीजनों और व्यावसायिक सहयोगियों से आपसी मेलजोल के	**संवाद** • संवाद प्रणाली और तकनीक • बुरी तरह जले रोगियों को दुःखद सूचना सुनाना • संस्कृति अनुसार संवेदनापूर्वक संवाद	• मॉड्यूल – संवाद • व्याख्यान	• डिजिटल रिकॉर्ड्स

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/ मूल्यांकन विधियां
		साथ स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिये साझा निर्णय लेकर प्रभावी ढंग से संवाद स्थापित करना	• नर्सिंग देखभाल योजनाओं का विकास और रिकॉर्ड्स • संवाद में सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग • टीम संवाद	• दुःखद सूचना देने में भूमिका निभाना	
		उपचार और देखभाल में प्रभावी ढंग से भागीदारी निभाने के लिये रोगियों और परिवारीजनों को शिक्षित करना और परामर्श देना	**रोगी और पारिवारिक शिक्षा** • शिक्षण और अध्ययन के सिद्धांत • स्वास्थ्य शिक्षा के सिद्धांत • सूचना की जरूरतों और रोगी प्रशिक्षण का आंकलन • रोगी प्रशिक्षण सामग्री विकसित करना	• समकक्ष प्रशिक्षण • रोगी को मशगूल रखने की कवायद – जैसे छुट्टी की योजना बनाना	• जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के लिये एक सामूहिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना • प्रासंगिक विषय पर रोगी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना
			परामर्श • परामर्श तकनीक • दुःखद सूचना, गहन उपचार, संकटकालीन मध्यवर्तन और मरणासन्न अवस्था में रोगी और परिवारीजनों को परामर्श देना	• परामर्श सत्र	
3	10	नैदानिक नेतृत्व और प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और उनका जलने की देखभाल और सहयोगी एवं प्रभावी टीम वर्क को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों में प्रयोग में लाना	**नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन** • नेतृत्व और प्रबंधन • बर्न्स नर्सिंग देखभाल के प्रबंधन के तत्व – योजना, आयोजन, स्टाफ, रिपोर्टिंग, रिकॉर्डिंग और बजट • नैदानिक नेतृत्व और इसकी चुनौतियां • शिष्ट मंडल • बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाइयों में मानव संसाधन प्रबंधन • सामग्री प्रबंधन • भावनात्मक बुद्धिमत्ता और स्व–प्रबंधन कौशल • जलने से पीड़ित रोगियों की देखभाल के लिये नीतियों को प्रासंगिक बनाने में भागीदार बनना	• व्याख्यान	• बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाइयों में कार्यरत कनिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों/ स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना
		बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाइयों/ केंद्रों में गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना और नैदानिक परीक्षण करना	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाईयों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम** • नर्सिंग ऑडिट • नर्सिंग मानक • गुणवत्ता आश्वासन	• मॉड्यूल – • मान्यता और अभ्यास मानक	• बर्न्स वार्ड/ आईसीयू के लिये एसओपी विकसित करना
4	10	अनुसंधान प्रक्रिया का वर्णन करना और बुनियादी सांख्यिकीय परीक्षण करना साक्ष्य आधारित/ व्यावसायिक अभ्यास की बेहतरीन कार्य	**साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त अनुसंधान** • नर्सिंग अनुसंधान और अनुसंधान प्रक्रिया का परिचय • डेटा प्रस्तुति, बुनियादी सांख्यिकीय परीक्षण और इसके अनुप्रयोग • बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग में अनुसंधान प्राथमिकताएं • बर्न्स नर्सिंग अभ्यास के लिये प्रासंगिक समस्याओं/प्रश्नों की अभिव्यक्ति	• व्याख्यान • मॉड्यूल – • वैज्ञानिक प्रपत्र लेखन	• बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के गत पांच वर्ष के सांख्यिकीय आंकड़े तैयार करना • बर्न्स नर्सिंग मध्यवर्तन/साक्ष्य आधारित अभ्यास

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/ मूल्यांकन विधियां
		प्रणालियों को अपनाना	• बर्न्स नर्सिंग अभ्यास में साक्ष्य आधारित/ सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिये साहित्यिक समीक्षा • दैनिक व्यावसायिक अभ्यास में साक्ष्य आधारित मध्यवर्तन का कार्यान्वयन • अनुसंधान में नैतिकता		परियोजना पर साहित्यिक समीक्षा का संचालन करना

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पशियलिटी नर्सिंग–1

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग का संदर्भ/परिचय और बर्न्स नर्सिंग अभ्यास में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान (एप्लाइड साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी)

सैद्धांतिक : 40 घंटे और प्रयोगशाला/कौशल प्रयोगशाला : 10 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के निदान, उपचार और स्वास्थ्य लाभ में बर्न्स नर्सिंग देखभाल प्रावधान और सामान्य विज्ञान लागू करने के संदर्भ में समझ और गहन जानकारी विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषयवस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
1	टी–4	जलने की दशा में जानपदिक रोगों के लक्षणों की व्याख्या करना, जोखिमों को पहचानना और उन्हें कम करने के लिये रणनीति तैयार करना	**जलने की दशा में जानपदिक रोग** • प्रसार और सांख्यिकी • जलने की चोट के जानपदिक रोग, जनसांख्यकी और परिणामी अभिलक्षण • जोखिम कारक और उनकी पहचान • जोखिम कारक कम करने हेतु रणनीतियां	• व्याख्यान और परिचर्चा	• सांख्यिकी प्रस्तुतिकरण
2	टी–4 एल–2	बर्न्स नर्सिंग के पूर्ववृत्त, व्यापकता और सिद्धांतों की व्याख्या करना बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका बर्न्स इकाई की योजना तैयार करना	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका एवं कर्तव्य** • बर्न्स नर्सिंग का पूर्ववृत्त और प्रवृत्ति • बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग की व्यापकता और सिद्धांत • बर्न्स प्रबंधन में बहुविषयी टीम • बर्न्स स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका • आदर्श बर्न्स इकाई की योजना तैयार करना और संरचना करना • बर्न्स इकाई में भर्ती करने और छुट्टी देने की प्रक्रिया और नीतियां	• व्याख्यान और परिचर्चा • प्रदर्शन – • बर्न्स इकाई तैयार करना	• आदर्श बर्न्स वार्ड और डे केयर की योजना तैयार करना
3	टी–12 एल–5	बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग देखभाल में मनोसामाजिक पहलुओं की व्याख्या करना	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल नर्सिंग देखभाल के मनोसामाजिक पहलु** • मानव व्यवहार और जलने की चोट का सामना करना तथा उपचार • संकट की घड़ी में तनाव का सामना करना • भावनाएं • व्यक्तिगत मतभेद • शारीरिक छवि और आत्मसम्मान की गड़बड़ी • जलने का मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक प्रभाव • जलने से संबंधित मनोरोगिक विसंगतियां • मृत्यु और मरणासन्न • मार्गदर्शन और परामर्श	• व्याख्यान • परामर्श के चरण – समीक्षा	• परामर्श सत्र आयोजित करना • और रिपोर्ट तैयार करना • जलने की मनोसामाजिक

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			• जलने से पीड़ित रोगी की देखभाल में परिवार की भूमिका • जलने और जलने की देखभाल के सामाजिक आर्थिक पहलू • सामाजिक संगठन और सामुदायिक संसाधन • जलने से संबंधित मनोसामाजिक समस्याओं का प्रबंधन		समस्याओं पर पठन कार्य
4	टी–5 एल–3	बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी इकाई में मेडिकल सर्जिकल एसेप्सिस और संक्रमण नियंत्रण की व्याख्या करना	**अनुप्रयुक्त सूक्ष्मजैविकी (एप्लाइड माइक्रोबायलॉजी) – बर्न्स इकाई में संक्रमण नियंत्रण कार्यप्रणाली** • रोग प्रतिरोधक शक्ति • एसेप्सिस, रोगाणुनाशन और कीटाणुशोधन के सिद्धांत • मानक सुरक्षा उपाय • जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन • बैरियर नर्सिंग और संक्रमण नियंत्रण प्रथा • एचआईसीसी ऑडिट	• व्याख्यान • अभिव्यक्ति	• बर्न्स इकाई में संक्रमण नियंत्रण के लिये एसओपी तैयार करना • लिखित कार्यः बर्न्स इकाई में संक्रमण नियंत्रण अभ्यास
5	टी–5	शारीरिक संरचना (एनाटॉमी) और शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी) से संबंधित समीक्षा	**शारीरिक संरचना (एनाटॉमी) और शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी) की समीक्षा** • त्वचा की शारीरिक संरचना और शरीर विज्ञान की समीक्षा • जलने की चोट के लिये स्थानीय और प्रणालीगत प्रतिक्रियाएं • घाव भरने की प्रक्रिया – तंत्र, प्रकार और चरण • दोषपूर्ण घाव भरने के कारण • घाव भरने की प्रक्रिया को तेज करने वाले कारक • द्रवीय इलेक्ट्रोलाइट संतुलन, अम्लरक्तता और क्षारमयता	• व्याख्यान	• स्व–निर्देशित पठन
6	टी–5	जलने का वर्गीकरण करना जलने के कारणों की गणना करना जलने की पैथोफिजियोलॉजी और नैदानिक अभिव्यक्ति का वर्णन करना	**जलने के प्रकार, एटियोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी और नैदानिक अभिव्यक्ति** • जलने की परिभाषा और वर्गीकरण • जलने के कारण • जलने की पैथोफिजियोलॉजी और नैदानिक अभिव्यक्ति	• व्याख्यान	
7	टी–5	जलने की फार्माकोथेरेपी की व्याख्या करना	**एप्लाइड फार्माकोलॉजी** • दवा प्रशासन के सिद्धांत और नर्स की भूमिका • एंटीबायोटिक्स • एनेस्थेटिक एजेंट्स • एनेलजेसिक्स (दर्द नाशक) • आपातकालीन दवाएं • जलन प्रबंधन में नये फार्माकोथेरेपी	• दवा प्रतिपादित करना	• दवाओं का अध्ययन करना

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पशियलिटी नर्सिंग–2

नैदानिक स्थितियों का नर्सिंग प्रबंधन जिसमें आकलन, निदान, उपचार और विशिष्ट मध्यवर्तन, रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता तथा विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (सहायक देखभाल/प्रशामक देखभाल/स्वास्थ्य लाभ) शामिल हैं

सैद्धांतिक : 120 घंटे और प्रायोगिक : 30 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के आकलन, निदान, उपचार, नर्सिंग प्रबंधन, और सहायक/प्रशामक देखभाल के लिये आवश्यक दक्षताओं को विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषयवस्तु

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
1	टी–4 एल–2	जलने से पीड़ित बुजुर्ग एवं वयस्क रोगियों का मूल्यांकन जलने से पीड़ित शिशु रोगियों का मूल्यांकन जलने से पीड़ित रोगियों के नर्सिंग प्रबंधन पर चर्चा	**आंकलन** • जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले वयस्क एवं बुजुर्ग रोगियों का आकलन (पूर्ववृत्त लेना, शारीरिक और नैदानिक परीक्षण करना) • जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले शिशु रोगियों का आकलन • नर्सिंग प्रक्रियाओं को अपनाते हुए जलने से पीड़ित रोगियों का नर्सिंग प्रबंधन	• परिचर्चा और अभिव्यक्ति	• बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में वयस्क और शिशु रोगियों का आकलन और रिपोर्ट लेखन
2	टी–2 एल–1	जलने से पीड़ित और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के नैदानिक परीक्षण और विभिन्न प्रक्रियाओं की व्याख्या करना, उन्हें संपादित करना या उनमें सहायता करना	**जांच** • रक्त की जांच – सीबीसी, एलएफटी, आरएफटी, प्रोटीन, इलेक्ट्रोलाइट्स, एबीजी विश्लेषण, संवर्धन (कल्चर) • ईसीजी • पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट • छाती का एक्स–रे • पल्स ऑक्सीमेट्री • मूत्र विश्लेषण • घाव का संवर्धन और संवेदनशीलता	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• समकक्ष प्रशिक्षण
3	टी–15 एल–10	जलने से पीड़ित रोगियों के उन्नत नैदानिक परीक्षण करना या उनमें सहायता करना	**जलने से पीड़ित रोगियों के उपचार की उन्नत प्रक्रियाएं** • बेसिक लाइफ सपोर्ट • एडवांस्ड कार्डियाक लाइफ सपोर्ट • मैकेनिकल वेंटिलेटर • ट्रेकिओस्टॉमी • ऑक्सीजन थेरेपी, निगरानी • इंट्रावीनस कैथेटर इनसर्शन • सेंट्रल लाइन इनसर्शन/ पीआईसीसी इनसर्शन और देखभाल • मूत्र कैथीटेराइजेशन	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• जलने से पीड़ित रोगियों के लिये आवश्यक उन्नत नर्सिंग प्रक्रियाओं पर कार्यशाला का आयोजन
4	टी–10 एल–2	जलने से पीड़ित रोगियों के शीघ्र प्रबंधन की व्याख्या करना और दक्षता प्राप्त करना	**जलने से पीड़ित रोगियों का प्रारंभिक प्रबंधन** • प्राथमिक चिकित्सा, जले हुए रोगी को लाना और प्रारंभिक प्रबंधन • बर्न सेंटर/यूनिट में प्रवेश के मानदंड • जले हुए रोगी का समग्र आकलन • जलने की सीमा और गहराई का आकलन • तात्कालिक और गंभीरतापूर्ण देखभाल • जलने के झटके का प्रबंधन • संक्रमण का प्रबंधन	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• समकक्ष प्रशिक्षण

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
5	टी–5 एल–1	जलने से पीड़ित रोगियों के द्रव प्रबंधन की व्याख्या करना और दक्षता प्राप्त करना	**जलने से पीड़ित रोगियों का द्रवीय प्रबंधन** • जलने से पीड़ित रोगियों को द्रव द्वारा पुनः होश में लाना और द्रव की गणना • होश में लाने के लिये प्रयुक्त द्रव पदार्थों के प्रकार • जलने से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन में उपयुक्त होने वाले रक्त और रक्त उत्पाद • द्रव चिकित्सा के दौरान नर्सिंग जिम्मेदारियां	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• जलने से पीड़ित रोगियों को द्रव देकर होश में लाने के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना
6	टी–3 एल–1	जलने से पीड़ित रोगियों के दर्द निवारण प्रबंधन के सिद्धांतों की व्याख्या करना	**जलने से पीड़ित रोगियों का दर्द प्रबंधन** • दर्द – प्रकार, पैथोफिज़ियोलॉजी • जलने से पीड़ित रोगियों का दर्द प्रबंधन – औषधीय और गैर–औषधीय उपाय	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• जलने से पीड़ित रोगियों के दर्द निवारण के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना
7	टी–5 एल–2	जलने से पीड़ित रोगियों के पोषण प्रबंधन की व्याख्या करना	**जलने से पीड़ित रोगियों का पोषण प्रबंधन** • जलने से पीड़ित रोगियों में पोषण की आवश्यकता • जलने से पीड़ित रोगियों में कैलोरी और प्रोटीन की आवश्यकता • विटामिन और खनिज संपूरक • आंत्रेतर और आंत्र पोषण प्राप्त करने वाले रोगियों के लिये भोजन–सूची तैयार करना	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• रोगियों के मौखिक और आंतरिक पोषण के लिये योजना तैयार करना
8	टी–10 एल–4	घाव प्रबंधन की व्याख्या करना जलने से पीड़ित रोगियों का घाव प्रबंधन करना	**जलने से पीड़ित रोगियों के घावों की देखभाल** • जले में घाव की देखभाल के सिद्धांत • जले में घाव प्रबंधन • ड्रेसिंग और पट्टियों के प्रकार • जले के घाव के प्रबंधन में आधुनिक तरीके • जले हुए घाव का सर्जिकल प्रबंधन – स्किन ग्राफ्टिंग, फ्लैप सर्जरी • त्वचा ग्राफ्ट का भंडारण और त्वचा बैंकिंग • ऊतक इंजीनियरिंग और ऊतक विस्तार • स्किन ग्राफ्ट/फ्लैप सर्जरी के पूर्व और बाद की देखभाल • जले के घाव में संक्रमण से बचाव	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• साहित्याक समीक्षा – त्वचीय बैंक
9	टी–8 एल–2	विभिन्न प्रकार से जलने से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन की व्याख्या करना शरीर के विशेष भागों में जलने के प्रबंधन का वर्णन करना श्वसन प्रणाली की चोट के प्रबंधन की व्याख्या करना ठंड के कारण लगी चोटों के प्रबंधन की व्याख्या करना	**विभिन्न प्रकार से जलने से पीड़ित रोगियों का प्रबंधन** • लौ से जलना • बिजली से जलना • रासायनों से जलना • विकिरण से जलना • शरीर के विशेष भागों – सिर, गर्दन, छाती, पेट और पेरिनियल क्षेत्र के जलने की स्थिति में प्रबंधन • हाथ, कोहनी और बगल का जलना • श्वसन प्रणाली की चोट का प्रबंधन • ठंड की चोटों का प्रबंधन	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• पठन कार्य

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
10	टी–10 एल–2	जलने से पीड़ित शिशु रोगियों के प्रबंधन की व्याख्या करना	**जलने से पीड़ित शिशु रोगियों का प्रबंधन** • जलने से पीड़ित शिशु रोगी के प्रति दृष्टिकोण • जलने से पीड़ित शिशु का आकलन • जलने से पीड़ित शिशु का प्रबंधन • शिशु रोगियों में द्रव चिकित्सा और पोषण प्रबंधन • शिशु रोगियों में थर्मोरेग्यूलेशन • शिशु रोगियों के घाव की देखभाल • जलने से पीड़ित शिशु और उनके परिवार के सदस्यों के लिये मनोवैज्ञानिक विवेचन • जलने से पीड़ित शिशु रोगियों के लिये प्ले थेरेपी और अन्य पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग • नर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करते हुए नर्सिंग प्रबंधन	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• लेखन कार्य
11	टी–3	जलने से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के विशिष्ट प्रबंधन पर चर्चा करना	**जलने से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की देखभाल** • शारीरिक परिवर्तन और मनोसामाजिक विवेचना • गर्भावस्था पर जलने और उसके उपचार के प्रभाव • द्रव गणना और पोषण संबंधी सहायता • नर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करते हुए नर्सिंग प्रबंधन	• व्याख्यान	• द्रव की गणना के लिये रोगी विशिष्ट अभ्यास
12	टी–5	शराब के सेवन, मादक द्रव्यों के सेवन, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी अन्य बीमारियों के ग्रस्त जलने से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन की व्याख्या करना	**बुजुर्ग, शराबी, मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले और मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप वाले जलने से पीड़ित रोगियों की देखभाल** • जलने से पीड़ित बुजुर्ग रोगियों की देखभाल – उम्र संबंधी जटिलताओं का प्रबंधन • शराब और मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले जलने से पीड़ित रोगियों की देखभाल – छोड़ने के लक्षणों का आकलन, विशेष नर्सिंग विवेचना और नर्सिंग प्रबंधन • जलने से पीड़ित मधुमेह रोगियों की देखभाल – हाइपरग्लेसेमिया का प्रबंधन, जटिलता • जलने से पीड़ित उच्च रक्तचाप के रोगियों की देखभाल	• व्याख्यान	• लेखन कार्य
13	टी–4	जलने से पीड़ित रोगियों को आने वाली संबंधित चोटों के प्रबंधन में कौशल विकास करना और उनका वर्णन करना	**जलने के साथ अन्य चोटों वाले रोगियों की देखभाल** • जलने के साथ रीढ़ की हड्डी की चोट, सिर की चोट, पॉलिट्रोमा और अंग भंग जैसी अन्य चोटों से ग्रस्त रोगियों का प्रबंधन • अन्य चोटों के साथ जलने से पीड़ित रोगियों का नर्सिंग प्रबंधन	• व्याख्यान	
14	टी–2	जलने से पीड़ित रोगियों की आपातकालीन शल्य चिकित्सा में	**जलने में आपातकालीन सर्जरी/ प्रक्रिया** • एस्केरटॉमी/फासिकोटॉमी	• व्याख्यान	• प्रक्रिया पर टिप्पणी तैयार करना

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		सहायता करना			
15	टी–5	जलने के कारण आने वाली जटिलताओं की रोकथाम और प्रबंधन की व्याख्या करना	**जलने के बाद आने वाली जटिलताओं का प्रबंधन** • कर्लिंग्स अल्सर • बहु–अंगीय विफलता (मल्टी–ऑर्गन फेल्योर) • एक्यूट रेसपिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम • गुर्दे की गहरी चोट • सैप्टिसीमिया	• व्याख्यान	• स्वअध्ययन
16	टी–5	जलने के कारण आने वाली विकृतियों के प्रबंधन की व्याख्या करना	**विकृतियों का प्रबंधन** • जलने से उत्पन्न विकृतियों का प्रबंधन • जलने के बाद आने वाली संकुचन का प्रबंधन • स्कार्स और केलोइड्स का प्रबंधन	• व्याख्यान	• कार्यशाला/ जर्नल क्लब
17	टी–5 एल–2	जलने की स्थिति में आपदा प्रबंधन की व्याख्या करना	**जलने में आपदा प्रबंधन** • आपदा प्रबंधन के सिद्धांत और अवधारणा • सामूहिक हिंसा • आकस्मिक दुर्घटना में अत्यधिक संख्या में जलने से पीड़ित रोगी • जलने की आपदा से बचने के लिये तैयारी	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• छात्रों के लिये आपदा प्रशिक्षण
18	टी–4 एल–1	जलने से पीड़ित रोगियों के लिये फिजियोथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा की भूमिका की व्याख्या करना	**फिजियोथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा** • जलने से पीडित्रत रोगियों और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के लिये फिजियोथेरेपी • हाइड्रोथेरेपी, वैक्स बाथ, हीट थेरेपी • व्यावसायिक चिकित्सा और दैनिक जीवन की गतिविधियों का प्रशिक्षण	• व्याख्यान और अभिव्यक्ति	• पठन कार्य
19	टी–5	जलने से पीड़ित रोगियों और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों के स्वास्थ्य लाभ की व्याख्या करना	**स्वास्थ्य लाभ** • स्वास्थ्य लाभ की परिभाषा और अवधारणा • स्वास्थ्य लाभ के सिद्धांत • जलने से पीड़ित रोगियों का स्वास्थ्य लाभ • समुदाय आधारित स्वास्थ्य लाभ कार्यक्रम • जलने से पीड़ित रोगियों का परिवार पर केंद्रित स्वास्थ्य लाभ • जलने से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य लाभ में आने वाली चुनौतियां • राष्ट्रीय स्वास्थ्य लाभ और स्वास्थ्य लाभ नीति • जलने से लगी चोट वाले रोगियों पर लागू विकलांगता अधिनियम	• व्याख्यान	• जलने से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य लाभ पर लेखन कार्य
20	टी–10	रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी का पुर्ववृत्त, प्रकारों और संकेतों की व्याख्या करना बर्न्स और ट्रोमा में रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी और कॉस्मेटिक सर्जरी की भूमिका	**रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी की अवधारणा** • रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी का इतिहास • प्रकार और संकेत • जन्मजात विकृतियों के लिये रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी • जलने में रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी • कॉस्मेटिक सर्जरी	• व्याख्यान	• सेमिनार

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		की व्याख्या करना रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों के नर्सिंग प्रबंधन की व्याख्या	• ट्रोमा में रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी • रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों की देखभाल • रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी से गुजरने वाले शिशु रोगियों की देखभाल • ऑपरेशन के बाद की सामान्य जटिलताएं		

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

अभ्यास (कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक)

कुल अवधिः 1770 घंटे (40 + 1730)

(कौशल प्रयोगशाला – 40 घंटे और नैदानिक – 1730 घंटे)

अभ्यास दक्षताएं

कार्यक्रम के अंत में छात्र निम्नलिखित कार्य संपादन करने में सक्षम होंगेः–

1. जलने से पीड़ित रोगियों का आकलन करना
2. जलने से पीड़ित रोगियों को लेने के लिये इकाई तैयार करना
3. जलने से पीड़ित रोगियों की आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा करना
4. आकस्मिक और विकट अवस्था में रोगियों की देखभाल करना
5. मृतप्राय जलने से पीड़ित रोगियों को तरल पदार्थ देकर होश में लाना
6. जलने से पीड़ित रोगियों के घावों की देखभाल करना
7. जलने से पीड़ित शिशु, बुजुर्ग और गर्भवती महिला जैसे विशेष रोगी समूहों का आकलन और प्रबंधन करना
8. पीआईसीसी लाइन डालना और अन्य संवहनी अभिगम उपकरण डालने में सहायता करना
9. संवहनी अभिगम उपकरणों (वीएडी) की देखभाल करना
10. जलने से पीड़ित रोगियों की आपातकालीन/शल्य प्रक्रियाओं में सहायता करना
11. रोगियों को पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा (रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी) के लिये तैयार करना
12. शल्य चिकित्सा के बाद रोगियों की देखभाल करना
13. रोगियों और परिवार के सदस्यों को परामर्श देना
14. जलने से पीड़ित रोगियों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिये संक्रमण नियंत्रण उपाय अपनाना
15. जलने से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु पहल करना और स्वास्थ्य लाभ कार्यक्रम में भाग लेना

नैदानिक पदस्थापन

(नैदानिक – 40 सप्ताह, पुनःस्थापन/पीटी – 1 सप्ताह, दौरे – 1 सप्ताह)

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	प्रकियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
बर्न्स सेंटर (बर्न्स आपात एवं मरहम पट्टी कक्ष – 2, बर्न्स वार्ड – 22 और बर्न्स आईसीयू – 8)	32 (2+22+8)	जलने से पीड़ित रोगियों के लिये आकस्मिक और त्वरित नर्सिंग देखभाल प्रदान करना	• आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा प्रबंधन और बर्न्स इकाई तक पहुंचाना • पूर्ववृत्त लेना • शारीरिक आकलन करना • नैदानिक परीक्षणों में सहायता करना	• वृत्त अध्ययन • वृत्त/नैदानिक प्रस्तुतिकरण	• नैदानिक मूल्यांकन • वृत्त अध्ययन/वृत्त प्रस्तुतिकरण/वृत्त रिपोर्ट
		मृतप्राय रोगियों को तरल	• मृतप्राय रोगियों को तरल पदार्थ	• स्वास्थ्य	• स्वास्थ्य

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	प्रकियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
		पदार्थ देकर होश में लाने के लिये तैयारी करना और सहायता करना एनाल्जेसिक, एंटीबायोटिक्स और अन्य दवायें देना	देकर होश में लाना • दवा देना	परिचर्चा	परिचर्चा
		संवहनी अभिगम उपकरणों (वीएडी) और दीर्घकालिक कैथेटर डालना और सहायता करना रक्त और रक्त उत्पाद चढ़ाना जले में घावों की देखभाल करना आपातकालीन शल्य चिकित्सा और स्किन ग्राफ्ट पाने वाले रोगियों की ऑपरेशन से पहले और बाद में देखभाल करना जलने से पीड़ित रोगियों के लिये पोषण का प्रबंधन करना	• वीएडी की देखभाल • लांग टर्म आईवी एक्सेस कैथेटर प्रतिस्थापित करना – पीआईसीसी, हिकमैन कैथेटर और दैनिक रखरखाव • ग्रुप जानने और क्रॉस मैचिंग के लिये रक्त लेना • रक्त और रक्त उत्पादों को चढ़ाना • घाव का आकलन करना • घाव की देखभाल करना • घाव को ढ़कने के लिये विभिन्न रासायनिक एवं जैविक पदार्थों और कृत्रिम त्वचा का उपयोग करना • रोगियों को शल्य चिकित्सा के लिये तैयार करना • शल्य चिकित्सा के पश्चात देखभाल करना • कैलोरी गणना करना आहार योजना बनाना • रोगियों को आहार देना	• प्रतिपादन और प्रमाणीकरण	
		रोगियों और परिवार के सदस्यों को परामर्श देना	• रोगी की सभी अवस्थाओं के दौरान सहायता करना • रोगियों और परिवार के सदस्यों को परामर्श देना		• परामर्श रिपोर्ट – 01
बर्न्स/ रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी आपरेशन थिएटर	02	जलने से पीड़ित रोगियों की शल्य चिकित्सा और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में सहायता करना	• शल्य चिकित्सा से पहले मूल्यांकन करना • शल्य चिकित्सा में सहायता करना • शल्य चिकित्सा के तुरंत पश्चात रोगियों की देखभाल करना • बर्न्स एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी वार्ड में रोगियों की जांच एवं सहायता करना	• प्रक्रिया पर टिप्पणी • लॉग बुक	• नैदानिक मूल्यांकन
रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी वार्ड	04	पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा पाने वाले रोगियों की देखभाल करना	• रोगियों को शल्य चिकित्सा के लिये तैयार करना • घावों की देखभाल करना • रोगियों को परामर्श देना • अवकुंचन और अन्य जटिलताओं से बचने के लिये फिजियोथेरेपी करना	• वृत्त अध्ययन • वृत्त/ नैदानिक प्रस्तुतिकरण	• नैदानिक मूल्यांकन

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	प्रकियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
बर्न्स/ रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी ओपीडी	02	जलने से पीड़ित रोगियों की जांच में सहायता करना	• पूर्ववृत्त लेना • शारीरिक परीक्षा और मूल्यांकन करना • आपातकाल में होश में लाना • स्वास्थ्य शिक्षा	• रोगियों का स्वास्थ्य आकलन रिपोर्ट (पूर्व वृत्त लेना व शारीरिक परीक्षण करना)	• नैदानिक मूल्यांकन

स्वास्थ्य लाभ/फिजियोथेरेपी/व्यावसायिक चिकित्सा – 1 सप्ताह

अध्ययन यात्रा (राष्ट्रीय/क्षेत्रीय बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी सेंटर की शैक्षिक यात्रा – 1 सप्ताह

परिशिष्ट–1

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

कौशल प्रयोगशाला अर्हताएं

नोटः नर्सिंग कॉलेज की बुनियादी कौशल प्रयोगशाला के अलावा निम्नलिखित आवश्यक हैं।

क्र.सं.	कौशल प्रयोगशाला अर्हताएं	संख्या	कौशल/प्रक्रिया/लक्ष्य
1.	दृश्य–श्रव्य साधन (ए वी एड्स) के 3–डी मॉडल a) त्वचा की विभिन्न परतें b) जलने का स्तर c) जलने के घाव भराव का चरण d) शिरावेध के लिये आसानी से सुलभ नसों और धमनियों को प्रदर्शित करने वाला परिसंचरण तंत्र	 1 1 1 1	निम्नलिखित कार्य सिखाये जायें:– - त्वचा की बुनियादी संरचना - जलने के प्रकार - द्रव्य चढ़ाने के लिये आसानी से सुलभ स्थान।
2.	सेंट्रल लाइन इनसर्शन किट, वेनेसेक्शन किट	1/1	नसों तक सुरक्षित पहुंच स्थापित करने के लिए
3.	ट्रेकियोस्टोमी सेट	1	वायु मार्ग से सुरक्षित पहुंच स्थापित करने के लिए
4.	वनज मापने का यंत्र (रोगी और बिस्तर)	1/1	द्रव चढ़ाकर पुनर्जीवन देने के लिये रोगी का वजन करना
5.	निम्नलिखित वस्तुओं के साथ क्रैश कार्ट	1	शॉक रूम – प्रारंभ में पुनः होश में लाने के लिए
	a) पुनः होश में लाने वाली दवा (आयनोट्रोप्स और एनाफिलेक्टिक ड्रग्स) b) मास्क के साथ अंबु बैग, ऑक्सीजन सप्लाई c) डिफिब्रिलेटर d) सभी आकारों के ब्लेड के साथ लेरिंगोस्कोप e) लेरिंजियल मास्क एयरवे f) आई–जेल g) एंडोट्रैचियल ट्यूब h) इंट्राकैथ्स i) नसों में चढ़ाने वाले तरल पदार्थ (आईवी फ्लूइड्स)	प्रत्येक के कम से कम 2 एंप्यूल्स 1 1 1 1 1 विभिन्न प्रकार के विभिन्न प्रकार के विभिन्न प्रकार के	
6.	स्पिलिंट्स	विभिन्न प्रकार के	अवकुंचन को रोकने के लिए
7.	निम्नलिखित उपकरणों के साथ पोषण लैब		फोर्टिफाइड फीड तैयार करने के

क्र.सं.	कौशल प्रयोगशाला अर्हताएं	संख्या	कौशल / प्रक्रिया / लक्ष्य
	a) मिक्सर ग्राइंडर b) सॉसपेन c) मापने का जार d) चाकू, छुरी इत्यादि (कटलरी) e) टेबल टॉप किचन वेइंग स्केल f) चलनी / छलनी g) खाद्य कैलोरी चार्ट	1 2 2 विभिन्न प्रकार के 1 1 1	लिए
8.	निम्नलिखित वस्तुओं के साथ ड्रेसिंग ट्रॉली	1	बर्न्स ड्रेसिंग के लिए
	a) स्टेराइल ओटी तौलिए b) किडनी ट्रे c) ड्रेसिंग बाउल्स (15 सेमी) d) किडनी ट्रे e) एचपी डीप ड्रम f) एचपी शैलो ड्रम g) एमए डीप ड्रम h) एमए शैलो ड्रम i) ड्रेसिंग सामग्री – गौज पीसेस, गमजी पैड्स, क्रेप पट्टियां	2 2 2 2 2 1 1 1 1 सेट / रोल विभिन्न आकार के	
9.	उपकरण		
	a) धमनी संडाश (आर्टरी फॉर्सेप्स) b) विच्छेदन संडाश (डायशेक्सन फॉर्सेप्स) c) चीटल संडाश (चीटल फॉर्सेप्स) d) कुंद धमनी संडाश (ब्लंट आर्टरी फॉर्सेप्स) e) कैंची f) स्केलपेल g) ब्लेड	2 2 2 2 2 2 विभिन्न प्रकार के	
10.	ड्रेसिंग सामग्री	विभिन्न प्रकार के	जले के घावों के लिये इस्तेमाल की जाने वाली पट्टी (ड्रेसिंग)
	a) हाइड्रोजेल b) अल्गीनेट c) कोलेजन d) फोम e) एसएसडी f) एंटीकोट g) हाइड्रोहील h) वैट कोलेजन i) ड्राई कोलेजन j) एलेविन एजी ड्रेसिंग k) होलिस्टर l) कॉमफील m) बियाटैन एजी (चिपकने वाला नहीं)	आवेदन के प्रदर्शन के लिये प्रत्येक का 1 नमूना	

परिशिष्ट–2

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

मूल्यांकन दिशानिर्देश (सैद्धांतिक और प्रायोगिक)

1. सैद्धांतिक

क) आंतरिक मूल्यांकन

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग 1 : बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पशियलिटी नर्सिंग–1 इंक्लुडिंग फाउंडेशंस और भाग 2 : बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–2) – कुल अंक : 25

- प्रश्न पत्र और प्रश्नोत्तरी – 10 अंक
- लिखित कार्य – 10 अंक (बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशिलिटी नर्सिंग अभ्यास से प्रासंगिक नैतिक आचार संहिता, बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी नर्सिंग/संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं में साक्ष्य आधारित कार्य (ईबीपी) पर साहित्यक समीक्षा, ज्वलन से पीड़ित अथवा रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी किये जाने वाले रोगियों की पोषण संबंधी देखभाल)
- सामूहिक परियोजना – 5 अंक

ख) बाह्य/अंतिम परीक्षा

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग 1 : बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–1 इंक्लुडिंग फाउंडेशंस और भाग 2 : बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग–2) – कुल अंक : 75

भाग 1 – 35 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 4 × 4 = 16 अंक, अति लघु उत्तर 2 × 2 = 4 अंक) और
भाग 2 – 40 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 5 × 4 = 20 अंक, अति लघु उत्तर 5 × 1 = 5 अंक)

2. प्रायोगिक

क) आंतरिक मूल्यांकन – 75 अंक

- वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 25 अंक (पदस्थापन के अंत में ओएससीई – 10 अंक + वर्ष के अंत में आंतरिक ओएससीई – 15 अंक)
- अन्य अभ्यास : 50 अंक

  क) प्रायोगिक कार्य – 20 अंक (नैदानिक प्रस्तुति और केस स्टडी रिपोर्ट – 5 अंक, परामर्श रिपोर्ट/दौरों की रिपोर्ट – 5 अंक, ड्रग स्टडी रिपोर्ट – 5 अंक और स्वास्थ्य परिचर्चा – 5 अंक)

  ख) कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक अर्हताओं के पूर्ण होने पर – 5 अंक

  ग) नैदानिक कार्य निष्पादन का निरंतर नैदानिक मूल्यांकन – 5 अंक

  घ) अंतिम अवलोकित अभ्यास परीक्षा (नैदानिक कार्य में वास्तविक निष्पादन) – 20 अंक

ख) बाह्य/अंतिम परीक्षा – 150 अंक

वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 50 अंक, अवलोकित अभ्यास – 100 अंक

(विस्तृत दिशानिर्देश गाइडबुक में दिये गये हैं)

परिशिष्ट–3

नैदानिक लॉग बुक

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग कार्यक्रम में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

(विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक कौशल)

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/ प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
I	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग के मूल आधार**		
1	रोगी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	**पी**	
2	जलने से पीड़ित रोगियों के प्रशिक्षण हेतु रोगी प्रशिक्षण योजना तैयार करना	**पी**	
3	नर्सिंग अधिकारियों/स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना	**पी**	
4	साहित्यिक समीक्षा लेखन (साक्ष्य आधारित नर्सिंग मध्यवर्तन/प्रथाओं की पहचान करना)	**पी**	
5	प्रकाशन/पेपर प्रेजेंटेशन के लिये पांडुलिपि तैयार करना	**पी**	
6	सामूहिक अनुसंधान परियोजना विषयः	**पी**	
II	**बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग**		
1	**स्वास्थ्य आंकलन**		
1.1	जलने से पीड़ित वयस्क रोगियों के पूर्ववृत्त की जानकारी हासिल करना और शारीरिक परीक्षण करना	**पी**	
1.2	जलने से पीड़ित शिशु रोगियों के पूर्ववृत्त की जानकारी हासिल करना और शारीरिक परीक्षण करना	**पी**	
2	**नैदानिक प्रक्रियाएं**		
2.1	जांच के लिये रक्त/मूत्र लेना	**पी**	
2.2	धमनी रक्त गैस विश्लेषण (एबीजी अनेलेसिस) करना	**पी**	
2.3	ईसीजी करना	**पी**	
2.4	घाव की संस्कृति (कल्चर) के लिये फावा (स्वैब) लेना	**पी**	
3	**वीनस एक्सेस डिवाइस (वीएडी) देखभाल**		
3.1	सेंट्रल कैथेटर और पीआईसीसी डालना	**ए/पी** (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	
3.2	अंतःशिरा प्रवेशिनी (आईवी केन्यूला) डालना	**पी**	
3.3	सेंट्रल कैथेटर और पीआईसीसी की देखभाल	**पी**	
4	**आपातकालीन प्रक्रियाएं**		
4.1	श्वास नली का ऑपरेशन करना	**ए**	
4.2	श्वास नली ऑपरेशन की देखभाल	**पी**	
4.3	इंटुवेषण और यांत्रिक वायु संचार (मैकेनिकल वेंटिलेशन)	**ए/पी** (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	
4.4	मूत्र कैथेटर लगाना	**पी**	
4.5	एस्करोटॉमी और फेसिओटॉमी	**ए**	
5	**तरल पदार्थ द्वारा पुनः होश में लाना**		
5.1	शरीर की जली हुई सतह के क्षेत्र (बीएसए) का आकलन	**पी**	
5.2	आवश्यक तरल पदार्थ की मात्रा की गणना	**पी**	
5.3	तरल पदार्थ चढ़ाना	**पी**	
6	**घाव की देखभाल**		
6.1	घाव तथा शरीर की जली हुई सतह के क्षेत्र (बीएसए) का आकलन	**पी**	
6.2	घाव की आवपाशी	**पी**	
6.3	घाव का क्षतशोधन	**ए/पी** (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/ प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
6.4	घाव की पट्टी करना	**पी**	
6.5	त्वचा का भंडारण	**ए/पी** (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	
6.6	त्वचा पर पैबंद लगाना (स्किन ग्राफ्ट)	**ए**	
6.7	घाव पर जैविक आवरण लगाना	**ए**	
7	**पोषण प्रबंधन**		
7.1	आवश्यक कैलोरी की गणना	**पी**	
7.2	व्यंजन सूची तैयार करना	**पी**	
7.3	मौखिक/आंत्रेतर/आंत्रेतर तरीके से आहार देना	**पी**	
7.4	समय–समय पर आहार की स्थिति का आकलन	**पी**	
8	**संक्रमण नियंत्रण**		
8.1	बर्न्स इकाई का विसंक्रमण और रोगाणुनाशन	**पी**	
8.2	जैव–चिकित्सीय अपशिष्ट का निपटान	**पी**	
8.3	बैरियर नर्सिंग	**पी**	
8.4	धूनी	**पी**	
9	**फिजियोथेरेपी**		
9.1	छाती की फिजियोथेरेपी करना	**पी**	
9.2	इंसेंटिव स्पिरोमेट्री करना	**पी**	
9.3	गति की सीमा (आरओएम) से संबंधित अभ्यास करना	**पी**	
10	**शिशु रोगियों की देखभाल**		
10.1	शिशुओं के नमूने लेना	**पी**	
10.2	शिशुओं का शिरावेध करना	**पी**	
10.3	शिशुओं को दवा चढ़ाना (खुराक में संशोधन)	**पी/ए** (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	
10.4	आहार प्रबंधन	**पी**	
11	**गुणवत्ता नियंत्रण**		
11.1	बर्न्स इकाई में संक्रमण नियंत्रण के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना	**पी**	
11.2	जलने से पीड़ित रोगियों की देखभाल के लिये नर्सिंग मानक विकसित करना	**पी**	
11.3	इकाई का परीक्षण करना	**पी**	
12	**अन्य**		
12.1	सहमति लेना	**पी**	
12.2	मार्गदर्शन और परामर्श	**पी**	

*छात्र के कौशल प्रदर्शन करने के लिये सक्षम पाये जाने पर इस पर संकाय द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।

छात्रः छात्रों से सूचीबद्ध कौशल/दक्षताओं का संपादन बार–बार करना तब तक अपेक्षित है जब तक कि वे स्तर–3 की दक्षता तक नहीं पहुंच जाते हैं, उसी के बाद संकाय द्वारा प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जायेंगे।

संकायः यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि छात्रों के स्तर–3 तक पहुंचने पर ही प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जायें।

- स्तर–3 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र बिना किसी पर्यवेक्षण के उस दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर–2 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ प्रत्येक दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर–1 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ भी उस कौशल/दक्षता का संपादन करने में सक्षम नहीं है।

परिशिष्ट–4

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग कार्यक्रम में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

नैदानिक अर्हताएं

क्र.सं.	नैदानिक अर्हताएं	दिनांक	संकाय/प्रशिक्षक के हस्ताक्षर
1	**स्वास्थ्य परिचर्या (बर्न्स/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी बाह्य रोगी विभाग, बर्न्स वार्ड/रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी वार्ड)**		
1.1	विषयः		
1.2	विषयः		
2	**रोगियों और रिश्तेदारों को परामर्श देना** परामर्श रिपोर्ट–1		
3	**स्वास्थ्य आंकलन**		
3.1	स्वास्थ्य आंकलन (वयस्क और शिशु) – पूर्ववृत्त और शारीरिक परीक्षा (दो लिखित रिपोर्ट) 3.1.1 वयस्क 3.1.2 शिशु 3.1.3		
4	**जर्नल क्लब/नैदानिक संगोष्ठी** विषयः		
5	**वृत्त अध्ययन/नैदानिक प्रस्तुति और रिपोर्ट –** **बर्न्स वार्ड/बर्न्स आईसीयू–1 और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी वार्ड–1** (नर्सिंग/अंतःविषयक चर्चा)		
5.1	नैदानिक स्थिति का नामः		
5.2	नैदानिक स्थिति का नामः		
6	**औषधि अध्ययन, प्रस्तुति और रिपोर्ट** (दो लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी हैं)		
6.1	औषधि का नामः		
6.2			
6.3			
6.4			
7	**बर्न्स इकाई की रूपरेखा तैयार करना**		
8	**दौरे – रिपोर्ट**		
8.1	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय बर्न्स केंद्र		

विभागाध्यक्ष/संकाय के हस्ताक्षर **विभागाध्यक्ष/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर**

परिशिष्ट–5

बर्न्स एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी स्पेशियलिटी नर्सिंग कार्यक्रम में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

नैदानिक अनुभव विवरण

आईसीयू का नाम	नैदानिक अवस्था	देखभाल प्रदान किये गये दिनों की संख्या	संकाय / प्रशिक्षक के हस्ताक्षर

कार्यक्रम समन्वयक / संकाय के हस्ताक्षर **विभागाध्यक्ष / प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर**

डॉ. टी. दिलीप कुमार, अध्यक्ष

[विज्ञापन–III / 4 / असा. / 257 / 2020–21]

INDIAN NURSING COUNCIL

NOTIFICATION

New Delhi,the 25th September, 2020

F.No. 11-1/2019-INC.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 16 of Indian Nursing Council Act, 1947 (XLVIII of 1947), as amended from time to time, the Indian Nursing Council hereby makes the following regulations for Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing – Residency Program, 2019:—

Short Title and Commencement.—

1. These Regulations may be called **Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing – Residency Program, 2019.**

2. These Regulations shall come into force on the date of notification of the same in the Official Gazette of India.

CURRICULUM

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING – RESIDENCY PROGRAM, 2019

I. INTRODUCTION

The National Health Policy document (NHP, 2017) emphasizes the need to expand tertiary care services, prepare specialist nurses and standardization of clinical training for nurses. Responding to this, Indian Nursing Council planned to redesign the existing specialist nursing programs making it as a one-year post basic diploma residency programs utilizing competency based training approach. Burns and Reconstructive Surgical Nursing is a new specialty prepared by INC using revised guidelines that aim to prepare specialist nurses who can provide competent care to patients with burns and those undergo reconstructive surgery whose diagnostic, treatment and care needs are complex and intensive.

Burns are one of the most devastating conditions encountered in health. The injury represents an assault on all aspects of the patient. The visible physical and invisible psychological scars are long lasting and often lead to chronic disability. Burn injuries represent a diverse and varied challenge to health personnel. Optimal care of burns patients require a multidisciplinary approach. The complexity and multisystem involvement of burns patients demand intensive specialized care by the burns trained nurses. Positive patient outcome is dependent on the composition of the burns care team, their commitment, specialized skills and close collaboration among its members. The nurses play an important role in the management of burns patients.

Burns nursing practice requires dynamic and highly skilled and complex care. Burn injury causes significant injury to patients as well as their family members. Recovery of the patients with burns, greatly depend upon efficient nursing care. Nurses specialized in burns care need to be compassionate and should have ability to connect with patient and their family members.

II. PHILOSOPHY

Indian Nursing Council believes that registered nurses need to be further trained as specialist nurses to function in various emerging speciality areas of practice and the training should be competency based. One such area that demands specialist nurses is Burns & Reconstructive Surgery Nursing. Expanding roles of nurses and advances in Burns Nursing, Reconstructive Surgery and technology necessitates additional training to prepare nurses with specialized skills and knowledge to deliver competent, intelligent and appropriate care to burns patients with different types of injuries and deformities and also to patients who undergo reconstructive surgery.

III. CURRICULAR FRAMEWORK

The Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing education is a one-year residency program and its curriculum is conceptualized encompassing foundational short courses and major specialty courses for specialty nursing practice.

The foundations to Burns Nursing & Reconstructive Surgical Nursing practice such as Professionalism, Communication & patient education, Clinical leadership & resource management, and Evidence based & applied research are short courses that aim to provide the students with the knowledge, attitude and competencies essential to function as accountable, sincere, safe and competent specialist nurses. The major specialty courses are organized under Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing-I and Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing-II.

Specialty Nursing-I includes Context/Introduction to Burns Nursing & Reconstructive Surgery, and Basic Sciences applied to Burns & Reconstructive Surgical Nursing (application of basic science knowledge in the diagnosis, treatment and care of clinical conditions under Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing). Specialty Nursing-II includes nursing management of burns patients with different types of burn injuries and

deformities including reconstructive surgery comprising assessment, diagnosis, treatment and specialized interventions and patient safety & quality including illness specific considerations. The curricular framework for the Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing residency program is illustrated in the following figure-1.

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS AND RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING – RESIDENCY PROGRAM

Foundations to Burns Nursing Courses **Specialty (Burns & Reconstructive Surgery) Nursing Courses**

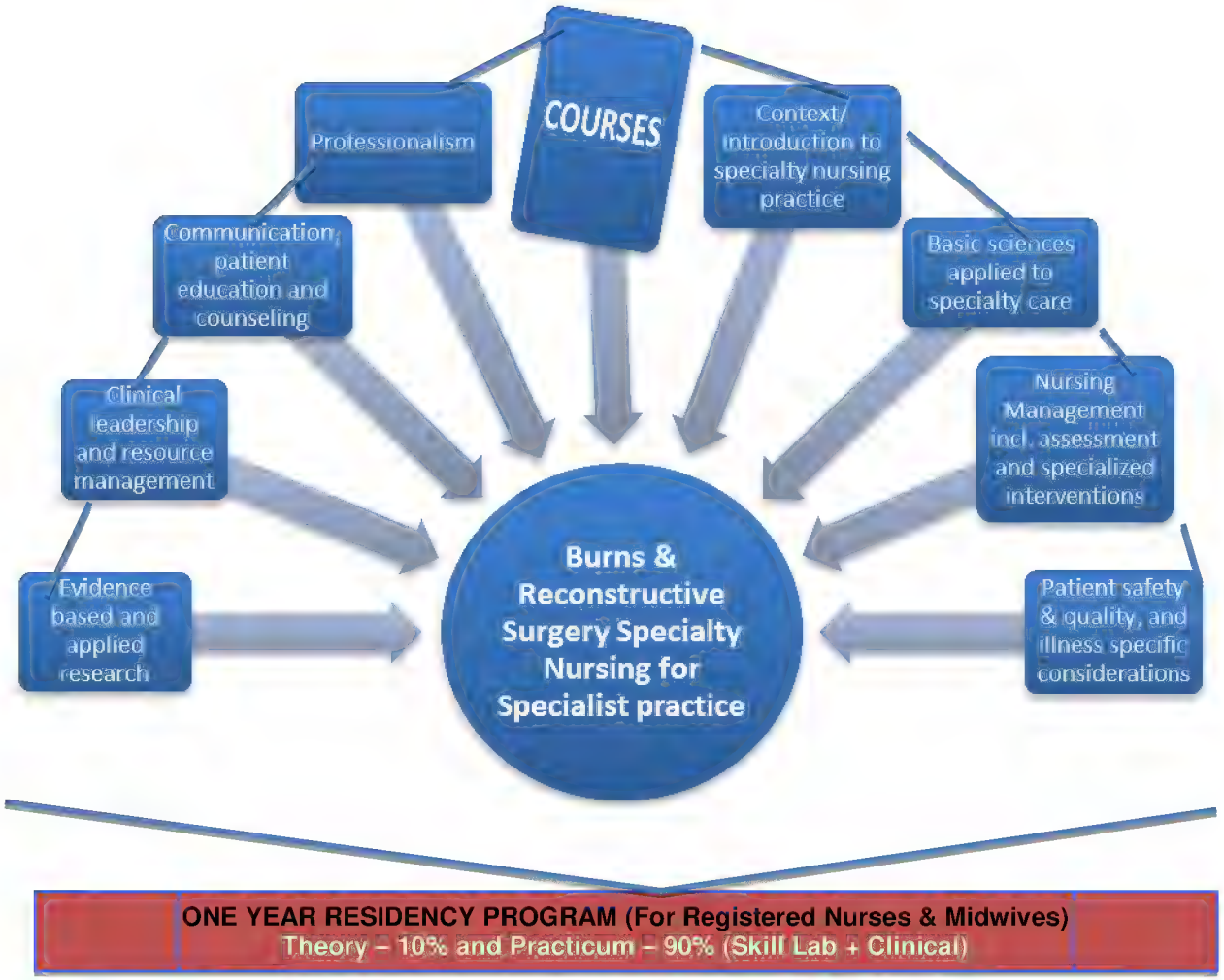

Figure-1. Curricular Framework for Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing – Residency Program

IV. AIM/PURPOSE & COMPETENCIES

AIM

The program is designed to prepare nurses with specialized skills, knowledge and attitude in providing pre-hospital care, intra-hospital care and rehabilitation of patients with burns and those who undergo reconstructive surgery. It further aims to prepare technically qualified and trained specialist nurses who will function effectively and optimally at Burns units of Tertiary/Quaternary hospitals providing high quality and standards of care.

COMPETENCIES

On completion of the program, the burns & reconstructive surgery specialist nurse will be able to:

1. Demonstrate professional accountability for the delivery of nursing care as per INC standards that is consistent with moral, altruistic, legal, ethical, regulatory and humanistic principles in practice.
2. Communicate effectively with patients, families and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes.
3. Educate and counsel patients and families to participate effectively in treatment and care and enhance their coping abilities through crisis and bereavement.
4. Demonstrate understanding of clinical leadership and resource management strategies and use them in burns & reconstructive surgery care settings promoting collaborative and effective teamwork.
5. Identify, evaluate and use the best current evidence in burns & reconstructive surgery care and treatment coupled with clinical expertise and consideration of patient's preferences, experience and values to make practical decisions in burns and reconstructive surgical nursing practice.
6. Undertake scientific projects in burns & reconstructive surgery that contribute to evidence-based burns nursing care interventions with basic understanding of research process.
7. Apply basic sciences in the assessment, diagnosis and treatment of the physiological, physical, psychological, social & spiritual problems of patients and their families with burns and those undergoing reconstructive surgery.
8. Apply the concepts and principles of burns & reconstructive surgery nursing.
9. Demonstrate understanding of pre-hospital care and transportation of burns patients.
10. Provide safe competent hospital care, emergent care and acute care of burns.
11. Apply nursing process in caring for patients with burns and reconstructive surgery.
12. Demonstrate specialized practice competencies/skills in providing care to burns patients relevant to fluid resuscitation, and burn wound management and patients undergoing reconstructive surgery.
13. Practice infection control and patient safety protocols.
14. Demonstrate understanding of recent advances in treatment and care of burns and reconstructive surgery.
15. Provide effective psychosocial care and rehabilitation in burns.
16. Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in burns unit and reconstructive surgical unit.
17. Conduct training programs for various categories of nursing personnel.

V. PROGRAM DESCRIPTION & SCOPE OF PRACTICE

The Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery specialty nursing program is a one-year residency program with a main focus on competency-based training. Theory includes foundational courses and specialty courses besides practicum. The theory component comprises 10% and practicum 90% (Clinical and Lab).

On completion of the program and certification and registration as additional qualification with respective State Nursing Council, the specialist nurses will be employed only in the burns/reconstructive surgery specialty hospital/department/unit as specialist nurses. They will be able to practice as per the competencies trained during the program particularly the procedural competencies/clinical skills as per the logbook of the INC syllabus. The specialist nurses can be privileged to practice those specialized procedural competencies by the respective institution as per institution protocols. Specialist nurse cadre/positions should be created both at government/public and private sectors. The diploma will be awarded by respective examination board/State Nursing Council/ University approved by Indian Nursing Council.

VI. MINIMUM REQUIREMENTS/GUIDELINES FOR STARTING THE POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING – RESIDENCY PROGRAM

The program may be offered at

1. College of Nursing offering degree programs in nursing attached to parent specialty hospital/tertiary hospital having a minimum of 200 beds with diagnostic, therapeutic and state of the art burns care units and burns ICU and reconstructive surgery unit/department with specialized nursing care facilities.

OR

Hospitals offering DNB/fellowship programs in Burns & Reconstructive Surgery having minimum of 200 beds with diagnostic, therapeutic and state of the art burns care units with dedicated burns ICU and reconstructive surgery unit/department with latest treatment facilities for early excision, skin grafting, skin banking and skin regeneration lab with specialized nursing care facilities.

2. The above eligible institution shall get recognition from the concerned State Nursing Council for Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing for the particular academic year, which is a mandatory requirement.

3. The Indian Nursing Council shall after receipt of the above documents/proposal would then conduct statutory inspection of the recognized training nursing institution under Section 13 of Indian Nursing Council Act, 1947 in order to assess the suitability with regard to availability of teaching faculty, clinical and infrastructural facilities in conformity with regulations framed under the provisions of Indian Nursing Council Act, 1947.

1. Nursing Teaching Faculty:

a. Full time teaching faculty in the ratio of 1 : 10.

b. Minimum number of faculty should be two.

c. *Qualification and Number:*

i. M.Sc. with Medical Surgical Nursing/Burns & Reconstructive Surgery Speciality Nursing – 1

ii. Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing with Basic B.Sc. (Nursing)/P.B.B.Sc. (Nursing) – 1

d. *Experience:* Minimum three years of clinical experience in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing.

e. *Guest Faculty:* Multi-disciplinary in related specialities.

f. *Preceptors:*

- *Nursing Preceptor:* Full time qualified GNM with 6 years of experience in specialty nursing (Burns/Reconstructive Surgery Nursing) or B.Sc. (Nursing) with 2 years' experience in specialty nursing or M.Sc. (Nursing) with one year specialty nursing experience working in the specialty care unit.
- *Medical Preceptor:* Specialist (Burns/Reconstructive Surgery specialist) doctor with PG qualification (with 3 years post PG experience/faculty level/consultant level preferable).
- *Preceptor Student Ratio:* **Nursing** 1 : 10, **Medical** 1 : 10 (Every student must have a medical and nursing preceptor).

2. Budget:

These should have budgetary provision for staff salary, honorariums for guest faculty, and part time teachers, clerical assistance, library and contingency expenditure for the program in the overall budget of the institution.

3. Physical and Learning Resources at Hospital/College:

a. One classroom/conference room at the clinical area.

b. Skill lab for simulated learning at hospital/college. **Skill Lab Requirements are listed in Appendix-1.**

c. Library and computer facilities with access to online journals:

i. College library having current books, journals and periodicals related to Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.

OR

Permission to use medical/hospital library having current books, journals and periodicals related to Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.

ii. Computer with internet facility.

d. E-Learning facilities.

e. Teaching Aids – Facilities for use of:

i. Overhead Projectors,

ii. Video viewing facility,

iii. LCD Projector,

iv. CDs, DVDs and DVD players,

v. Appropriate equipment, manikins and simulators for skill learning.

f. Office facilities:

i. Services of typist, peon, Safai Karamchari.

ii. Facilities for office, equipment and supplies such as

- Stationery,
- Computer with printer,
- Xerox machine,
- Telephone and Fax.

4. Clinical Facilities:

a. Parent specialty hospital/tertiary hospital having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art burns care units and burns ICU and reconstructive surgery unit/department with specialized nursing care facilities.

b. Regional centres/Burns & Reconstructive Surgery specialty hospitals having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art burns care units and burns ICU and reconstructive surgery unit/department with specialized nursing care facilities.

c. Hospital must have a minimum of 30 specialty beds with advanced diagnostic, treatment and care facilities.

d. Nurse staffing of units as per INC norms.

e. *Student patient ratio:* 1 : 3

5. Admission Terms and Conditions/Entry Requirements:

The student seeking admission to this program should:

a. Be a registered nurse (R.N. & R.M.) or equivalent with any State Nurses' Registration Council (SNRC) having NUID number.

b. Possess a minimum of one year clinical experience as a staff nurse preferably in the burns/reconstructive surgery unit prior to enrolment.

c. Be physically fit.

d. Selection must be based on the merit of an entrance examination and interview held by the competent authority.

e. Nurses from other countries must obtain an equivalence certificate from INC before admission.

6. Number of Seats:

For hospital having 200 beds and 30 specialty beds, number of seats = 10,
For hospital having 500 beds and more with 60 specialty beds, the number of seats = 20.

7. Number of Candidates:

1 candidate for 3 specialty beds.

8. Salary:

a) In-service candidates will get regular salary.

b) Stipend/Salary for the other candidates as per the salary structure of the hospital where the program is conducted.

VII. EXAMINATION REGULATIONS AND CERTIFICATION

EXAMINATION REGULATIONS

Examining and Diploma awarding authority: Respective Examination Boards/State Nursing Council/ University approved by Indian Nursing Council.

1. Eligibility for appearing for the examination:

a) *Attendance:* Theory & Practical – 80%. However, 100% Clinical attendance have to be completed prior to certification.

b) Candidate who successfully completes the necessary requirements such as logbook and clinical requirements is eligible and can appear for final examination.

2. Practical examination:

a) *OSCE:* OSCE type of examination will be conducted alongside viva (oral examination) both in the internal and final examination. Detailed guidelines are given in guidebook.

b) *Observed Practical/Clinical:* Final internal and external examination will also include assessment of actual clinical performance in real settings including viva and mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (Nursing process application and direct observation of procedural competencies). Minimum period of assessment in the clinical area is 5-6 hours. Evaluation guidelines are given in guidebook.

c) Maximum number of students per day = 10 students.

d) Examination should be held in clinical area only.

e) The team of practical examiners will include one internal examiner [(M.Sc. faculty with two years of experience in teaching the respective specialty program/M.Sc. faculty (Medical Surgical Nursing) with 5 years of post PG experience], one external examiner (nursing faculty with the same qualification and experience stated as above) and one medical internal examiner who should be preceptor for specialty program.

f) The practical examiner and the theory examiner should be the same nursing faculty.

3. Standard of Passing:

a) In order to pass, a candidate should obtain at least 60% marks in aggregate of internal assessment and external examination both together, in each of the theory and practical papers. Less than 60% is considered fail

b) Students will be given opportunity of maximum of 3 attempts for passing

c) If the student fails in either theory or practical, he/she needs to appear for the exam failed either theory or practical only.

CERTIFICATION

a. TITLE: Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing.

b. A diploma is awarded by Examination Boards/State Nursing Council/University approved by Indian Nursing Council, upon successful completion of the prescribed study program, which will state that

i. Candidate has completed all the courses of study under the Post Basic Diploma in Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing – Residency Program.

ii. Candidate has completed 80% theory and 100% clinical requirements.

iii. Candidate has passed the prescribed examination.

VIII. SCHEME OF EXAMINATION

Courses	Int. Ass. Marks	Ext. Ass. Marks	Total Marks	Exam Hours (External)
***Theory* (Experiential/Residential Learning)**	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing (Part I & Part II) {Part I – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing I including Foundations, Part II – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing II}				
***Practicum* (Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing)**	75 (25+50) (OSCE – 25 & Observed Practical – 50)	150 (50+100) (OSCE – 50 & Observed Practical – 100)	225	Minimum 5-6 hours in the clinical area
• OSCE including Viva • Observed Practical/Clinical (direct observation of actual performance at real settings) including viva – mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (nursing process application and direct observation of procedural competencies)				
Grand Total	**100**	**225**	**325**	

IX. PROGRAM ORGANIZATION/STRUCTURE

i. Courses of Instruction
ii. Implementation of Curriculum
iii. Clinical Practice (Residency posting)
iv. Teaching Methods
v. Methods of Assessment
vi. Log Book and Clinical Requirements

1. Courses of Instruction – Delivered through mastery of learning (Skill Lab Practice) and experiential learning (including Clinical Practice) approaches

		Theory (hrs)	Lab/Skill Lab (hrs)	Clinical (hrs)
I	**Foundations to Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing Practice** 1. Professionalism 2. Communication, patient education and counseling in specialty nursing 3. Clinical leadership and resource management in the specialty care setting 4. Evidence based and applied research in specialty nursing	40		
	Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing Courses			
II	**Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing I** 1. Context/Introduction to specialty nursing 2. Basic sciences applied to specialty care – diagnosis and treatment of clinical conditions (Anatomy & Physiology, Microbiology, Pharmacology & Pathophysiology)	40	10	
	Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing II 3. Nursing management of clinical conditions including assessment, diagnosis, treatment and specialized interventions 4. Patient safety and quality 5. Specialty/Illness specific considerations (Supportive care/palliative care/ rehabilitation, Impact of illness on individual, family and community)	120	30	1730
TOTAL= 1970 hours		**200 (5 wks)**	**40 (1 wk)**	**1730 (38 wks)**

Total weeks available in a year: 52 weeks (Theory – 10% and Skill Lab + Clinical – 90%)

- Annual Leave + Casual Leave + Sick Leave + Public Holidays = 6 weeks
- Exam preparation and Exam = 2 weeks
- Theory and Practical = 44 weeks

2. Implementation of the Curriculum

Block classes – 2 weeks × 40 hours = 80 hours

Residency of 42 weeks × 45 hours/week = 1890 hours

Total: 1970 hours

- Block Classes (Theory and Skill Lab Experience = 2 weeks × 40 hours/week (80 hours)

  (Theory = 74 hours, Skill Lab = 6 hours, total = 80 hours)
- Clinical Practice including Theory and Skill Lab = 42 weeks × 45 hours/week (1890 hours)

  (Theory = 126 hours, Skill Lab = 34 hours, Clinical = 1730 hours)

Theory = 200 (74+126) hours, Skill Lab = 40 (6+34) hours, Clinical = 1730 hours.

126 hours of theory and 34 hours of skill lab learning can be integrated during clinical experience. Mastery learning and experiential learning approaches are used in training the students throughout the program. ***Skill Lab Requirements are listed in Appendix 1.***

3. Clinical Practice

Clinical Residency Experience: A minimum of 45 hours/week is prescribed, however, it is flexible with different shifts and OFF followed by on call duty every week or fortnight.

Clinical Postings: The students will be posted to the under mentioned clinical areas during their training period:

S.No.	Clinical Area	Week(s)
1	Burns OPD & Reconstructive Surgery/Plastic Surgery OPD	2
2	Burns Casualty & Burns Dressing Room	2
3	Burns Ward	22
4	Burns ICU	8
5.	Reconstructive Surgery Ward	4
6	Burns/Reconstructive Surgery OT	2
7	Rehab/Physiotherapy/Occupational Therapy	1
8	Field Trip	1
	TOTAL	**42**

The residency students will follow the same duty schedule as staff nurses/nursing officers with different shift duties. In addition to that, for 40 weeks 4 hours every week is dedicated for their learning that can be offered for theory (For example – faculty lecture – 1 hour, nursing & interdisciplinary rounds – 1 hour, clinical presentations, case study report, and clinical assignments – 1 hour and skill lab practice – 1 hour) to cover a total of 126 hours of theory and 34 hours of skill lab practice. A small group research project can be conducted during clinical posting applying the steps of research process and written report to be submitted.

4. Teaching Methods

Theoretical, Skill Lab and Clinical teaching can be done in the following methods and integrated during clinical posting:-

- Case/clinical presentation and case study report
- Drug study and presentation
- Bedside clinic/Nursing rounds/Interdisciplinary rounds
- Journal clubs/clinical seminar
- Faculty lecture and discussion in the clinical area
- Demonstration and skill training in skill lab and at bedside
- Directed reading/self-study
- Role play
- Symposium/group presentation
- Group research project
- Clinical assignments
- Patient engagement exercise (engaging patients in care decisions to improve health outcomes using information technology) for example discharge planning and follow up
- Educational visits to National/Regional Burns & Reconstructive Surgery Centre

5. Method of Assessment

- Written test
- Practical examination – OSCE and Observed Practical (Direct observation of actual clinical performance at real settings)
- Written assignments
- Project
- Case studies/care plans/clinical presentation/drug study
- Clinical performance evaluation
- Completion of clinical procedural competencies and clinical requirements.

For assessment guidelines refer Appendix-2

6. Clinical Log Book/Procedures Book

At the end of each clinical posting, Clinical Logbook (Specific Procedural Competencies/Clinical Skills) (***Appendix 3***), Clinical Requirements (***Appendix 4***) and Clinical Experience Details ***(Appendix 5)*** have to be signed by the concerned clinical faculty/preceptor.

FOUNDATIONS TO BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING PRACTICE:

PROFESSIONALISM, COMMUNICATION, PATIENT EDUCATION & COUNSELING, CLINICAL LEADERSHIP & RESOURCE MANAGEMENT AND EVIDENCE BASED AND APPLIED RESEARCH IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING PRACTICE

Total Theory: 40 hours

Course description: This course is designed to develop an understanding of professionalism, communication, patient education and counseling, clinical leadership and resource management and evidence based and applied research in Burns & Reconstructive Surgery Nursing practice.

COURSE CONTENT

Unit	Time (hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
I	6	Demonstrate understanding of professionalism and exhibit professionalism in the practice of burns & reconstructive surgery nursing	**Professionalism** • Meaning and elements – accountability, knowledgeable, visibility and ethics in burns & reconstructive surgery specialty nursing practice • Professional values and professional behavior • INC code of ethics, code of professional conduct and practice standards • Ethical issues related to burns nursing and reconstructive surgery • Expanding role of Nurse – Nurse practitioner • Professional organizations • Continuing nursing education	• Discussion	• Write about code of ethics related to burns & reconstructive surgery nursing
	2	Describe medico-legal aspects of burns & reconstructive surgery nursing practice	**Medico-Legal Issues** • Legislations and regulations related to burns & reconstructive surgical nursing • Consumer protection act • Negligence and malpractice • Medico-legal aspects • Records and reports • Legal responsibilities of burns specialist nurses	• Lecture	• Maintain record of patients
II	12	Communicate effectively with burns patients, families and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes. Educate and counsel patients and families to participate effectively in treatment and care	**Communication** • Channels and techniques of communication • Breaking bad news to patients with intensive burn injuries • Culturally sensitive communication • Development of nursing care plans and records • Information technology tools in support of communication • Team communication **Patient and Family Education** • Principles of teaching and learning • Principles of health education • Assessment of informational needs and patient education	• Module – communi-cation • Lecture • Breaking bad news – Role play • Peer teaching • Patient engagement exercise – Ex.	• Digital records • Conduct a group health education program for the patients with burns and

Unit	Time (hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
			• Developing patient education materials **Counseling** • Counseling techniques • Patient and family counseling during breaking bad news, intensive treatment, crisis intervention and end of life stage	discharge planning • Counseling sessions	those undergoing reconstructive surgery • Prepare patient education materials on relevant topic
III	10	Demonstrate understanding of clinical leadership and management strategies and use them in burns care and settings promoting collaborative and effective teamwork Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in burns & reconstructive surgery units/ centres	**Clinical Leadership and Resource Management** • Leadership and management • Elements of management of burns nursing care – planning, organizing, staffing, reporting, recording and budgeting • Clinical leadership and its challenges • Delegation • Managing human resources in burns & reconstructive surgery units • Material management • Emotional intelligence and self-management skills • Participation in making policies relevant to care of burns patients **Quality Assurance program in burns & reconstructive surgery units** • Nursing audit • Nursing standards • Quality assurance	• Lecture • Module-Accreditation and Practice Standards	• Plan a duty roster for the junior nursing officers/ staff nurses working in the burns & reconstructive surgery units • Develop SOPs for burns ward/ICU
IV	10	Describe research process and perform basic statistical tests Apply evidence based/best practices in professional practice	**Evidence based and application of research** • Introduction to nursing research and research process • Data presentation, basic statistical tests and its application • Research priorities in burns & reconstructive surgery nursing • Formulation of problem/question that are relevant to burns nursing practice • Review of literature to identify evidence based/best practices in burns nursing practice • Implementation of evidence based interventions in daily professional practice • Ethics in research	• Lecture • Module-Writing of scientific paper	• Preparation of statistical data of burns/ reconstructive surgery for last five years • Conduct literature review on burns nursing interventions/ evidence based practice project

BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING – I

CONTEXT/INTRODUCTION TO BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING & BASIC SCIENCES APPLIED TO BURNS NURSING PRACTICE
(Applied Psychology, Sociology, Microbiology, Pathology, Anatomy, Physiology and Pharmacology)

Theory: 40 hours & Lab/Skill Lab: 10 hours

Course description: This course is designed to help students to develop understanding and in-depth knowledge regarding the context of burns nursing care provision and application of basic sciences in the diagnosis, treatment and rehabilitation of burns patients and patients undergoing reconstructive surgery.

COURSE CONTENT

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
I	T-4	Describe epidemiology of burns, risk identification and reduction strategies	**Epidemiology of burns** • Prevalence and statistics • Epidemiological, demographic and outcome characteristics of burn injury • Risk factors and identification • Risk reduction strategies	• Lecture and Discussion	• Presentation of statistics
II	T-4 L-2	Explain history, scope and principles of burns nursing Role of burns & reconstructive surgery specialist nurses Plan a burns unit	**Roles and responsibilities of burns & reconstructive surgery specialist nurses** • History and trends in burns nursing • Scope and principles of burns & reconstructive surgery nursing • Multidisciplinary team in burns management • Role of burns specialist nurses • Planning and organization of ideal burns unit • Procedure and policies for admission and discharge to burns unit	• Lecture and Discussion • Demonstration: Unit preparation of burns	• Plan an ideal burns ward and day care
III	T-12 L-5	Explain psychosocial aspects in burns & reconstructive surgical nursing care	**Psychosocial aspects of burns & reconstructive surgical nursing care** • Human behavior and coping with burn injuries and treatment • Stress and coping during crisis • Emotions • Individual differences • Disturbances of body image and self-esteem • Psychological and emotional impact of burns • Psychiatric disorders associated with burns • Death and dying • Guidance and counseling • Role of family in burns care • Socio-economic aspects of burns and burns care • Social organization and community resources • Management of psychosocial problems associated with burns	• Lecture • Steps of counseling – Review	• Conduct counseling session and write report • Reading assignment on psychosocial problems of burns
IV	T-5 L-3	Explain medical surgical asepsis and infection control in burns &	**Applied Microbiology – Infection control practices in burns unit** • Immunity	• Lecture • Demonstration	• Prepare SOP for infection control in burns unit

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
		reconstructive surgery units	• Principles of asepsis, sterilization and disinfection • Standard safety measures • Biomedical waste management • Barrier nursing and infection control practices • HICC audit		• Written assignment: Infection control practices in burns unit
V	T-5	Review related anatomy and physiology	**Review of anatomy and physiology** • Review of anatomy & physiology of skin • Local and systemic responses to burn injury • Wound healing process – mechanism, type and phases • Causes of impaired wound healing • Factors enhancing wound healing • Fluid electrolyte balance, acidosis and alkalosis	• Lecture	• Self-directed reading
VI	T-5	Classify burns Enumerate causes of burns Explain pathophysiology and clinical manifestations of burns	**Types, etiology, pathophysiology and clinical manifestation of burns** • Definition and classification of burns • Causes of burns • Pathophysiology and clinical manifestations of burns	• Lecture	
VII	T-5	Explain pharmacotherapy of burns	**Applied Pharmacology** • Principles of drug administration and role of nurse • Antibiotics • Anesthetic agents • Analgesics • Emergency drugs • Newer pharmacotherapy in burns management	• Drug presentation	• Drug study

BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING – II

NURSING MANAGEMENT OF CLINICAL CONDITIONS INCLUDING ASSESSMENT, DIAGNOSIS, TREATMENT & SPECIALIZED INTERVENTIONS, PATIENT SAFETY & QUALITY AND SPECIALTY/ILLNESS SPECIFIC CONSIDERATIONS (Supportive Care/Palliative Care/Rehabilitation)

Theory: 120 hours & Lab: 30 hours

Course description: This course is designed to help students to develop knowledge and competencies required for assessment, diagnosis, treatment, nursing management, and supportive care/rehabilitation of patients with burns and reconstructive surgery.

COURSE CONTENT

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
I	T-4 L-2	Perform assessment of adult including geriatric patients with burns Perform assessment of pediatric patients with burns Discuss nursing management of burns patients	**Assessment** • Assessment of adult and geriatric patients with burns & reconstructive surgery (history taking, physical examination and diagnostic tests) • Assessment of pediatric patients with burns and reconstructive surgery • Nursing management of patients with burns using nursing process	• Discussion and demonstration	• Perform assessment of adult, and pediatric patients in OPD and write assessment report
II	T-2 L-1	Explain and perform/ assist diagnostic tests and procedures in patients with burns & reconstructive surgery	**Investigations** • Blood investigations – CBC, LFT, RFT, protein, electrolytes, ABG analysis, culture • ECG • Pulmonary function test • Chest X-Ray • Pulse oximetry • Urine analysis • Wound culture and sensitivity	• Lecture and demonstration	• Peer teaching
III	T-15 L-10	Perform and assist in advanced procedures in burns patients	**Advanced Procedures in Burns** • Basic life support • Advanced cardiac life support • Mechanical ventilator • Tracheostomy • Oxygen therapy, monitoring • Intravenous catheter insertion • Central line insertion/PICC insertion and care • Urinary catheterization	• Lecture and demonstration	• Arrange workshop on advanced essential burns nursing procedures
IV	T-10 L-2	Explain and develop skills in early management of burns patients	**Early Management of Burns** • First Aid, transportation of burns patient and early management of burns • Admission criteria in burn centre/ unit • Overall assessment of burns patient • Assessment of extent and depth of burns • Emergent and acute care • Management of burns shock • Management of infection	• Lecture and demonstration	• Peer teaching
V	T-5 L-1	Explain and develop competencies in fluid management of burns patients	**Fluid Management in Burns** • Fluid resuscitation in burns and fluid calculation • Types of fluids used for resuscitation • Blood and blood products used in burns management • Nursing responsibilities during fluid therapy	• Lecture and demonstration	• Prepare SOP for fluid resuscitation in burns
VI	T-3 L-1	Explain principles of pain management in burns	**Pain management in burns** • Pain – types, pathophysiology • Pain management in burns – pharmacological and non-pharmacological measures	• Lecture and Discussion	• Prepare SOP on pain management of burns

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
VII	T-5 L-2	Explain nutritional management in burns	**Nutritional Management in Burns** • Nutritional requirement in burns • Calorie and protein requirement in burns • Vitamins and mineral supplements • Planning of menu for patients receiving parenteral and enteral nutrition	• Lecture and demonstration	• Plan menu for patients for oral and enteral nutrition
VIII	T-10 L-4	Explain wound management Perform wound management in burns	**Wound Care in Burns** • Principles of wound care in burns • Wound management in burns • Types of dressings and bandages • Recent trends in management of burns wound • Surgical management of burn wound – skin grafting, flap surgery • Storage of skin grafts and skin banking • Tissue engineering and tissue expansion • Pre and post-operative care after skin graft/flap surgery • Prevention of infection in burn wound	• Lecture and demonstration	• Literature review – skin banking
IX	T-8 L-2	Explain management of different types of burns Describe management of burns involving special areas Explain management of inhalation injury Explain management of cold injuries	**Management of Different Types of Burns** • Flame burns • Electrical burns • Chemical burns • Radiation burns • Management of burns involving special areas – Burns in head & neck and chest, abdomen & perineal area • Burns in hand, elbow and axilla • Management of inhalation injury • Management of cold injuries	• Lecture • Demonstration	• Reading assignment
X	T-10 L-2	Explain management of pediatric patients with burns	**Management of Burns in Pediatric Patients** • Approach to a pediatric patient with burns • Assessment of child with burns • Management of child with burns • Fluid therapy and nutritional management in pediatric patient • Thermoregulation in pediatric patient • Wound care in child • Psychological consideration for child with burns and their family members • Use of play therapy and other complementary and alternative therapy for child with burns • Nursing management using nursing process	• Lecture • Demonstration	• Written assignment

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
XI	T-3	Discuss specific management of pregnant lady with burns	**Care of Pregnant Women with Burns** • Physiological changes and psychosocial considerations • Effect of burns and its treatment on pregnancy • Fluid calculation and nutritional support • Nursing management using nursing process	• Lecture	• Individual exercises on fluid calculation
XII	T-5	Explain management of burns patients with other conditions like alcoholism, substance abuse, diabetes and hypertension	**Care of elderly, alcoholic, substance abuse, diabetic and hypertensive patients with burns** • Care of elderly with burns – management of age related complications • Care of burns patients with alcoholism and substance abuse – assessment of withdrawal symptoms, special nursing consideration, and nursing management • Care of diabetic patient with burns – management of hyperglycemia, complication • Care of hypertensive patients with burn injury	• Lecture	• Written assignment
XIII	T-4	Describe and develop skills in management of burns patients with associated injuries	**Care of patients with other injuries along with burns** • Management of burns patient with associated injuries – spinal injury, head injury, poly-trauma and limb fractures • Nursing management of burns patients with associated injuries	• Lecture	
XIV	T-2	Assists in emergency surgery of burns patients	**Emergency Surgery/Procedures in Burns** • Escharotomy/Fasciotomy	• Lecture	• Prepare procedure note
XV	T-5	Explain prevention and management of complications of burns	**Management of Post Burn Complications** • Curling's ulcer • Multi-organ failure • Acute respiratory distress syndrome • Acute kidney injury • Septicemia	• Lecture	• Self-reading
XVI	T-5	Explain management of burns related deformities	**Management of Deformities** • Management of deformities in burns • Management of post burn contractures • Management of scars and keloids	• Lecture	• Seminar/ journal club
XVII	T-5 L-2	Discuss disaster management in burns	**Disaster Management in Burns** • Principles and concept of disaster management • Social violence • Burns in mass casualty • Disaster preparedness for burns	• Lecture • Demonstration	• Conduct disaster drill for students

Unit	Time (Hrs)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assessment Methods
XVIII	T-4 L-1	Explain role of physiotherapy and occupational therapy for burns patient	**Physiotherapy and Occupational Therapy** • Physiotherapy for patients with burns and reconstructive surgery • Hydrotherapy, wax bath, heat therapy • Occupational therapy and activities of daily living training	• Lecture • Demonstration	• Reading assignment
XIX	T-5	Explain rehabilitation of patients with burns and patients undergoing reconstructive surgery	**Rehabilitation** • Definition, concepts of rehabilitation • Principles of rehabilitation • Rehabilitation in burns • Community based rehabilitation program • Family centred rehabilitation in Burns • Challenges in rehabilitating burns patients. • National rehabilitation and resettlement policy • Disability act applicable to patients with burn injury	• Lecture	• Written assignment on rehabilitation of patients with burns
XX	T-10	Discuss history types and indications of reconstructive surgeries Explain role of reconstructive surgery and cosmetic surgeries in burns and trauma Explain nursing management of patients undergoing reconstructive surgery	**Concept of Reconstructive Surgery** • History of reconstructive surgery • Types and indications • Reconstructive surgeries for congenital deformities • Reconstructive surgery in burns • Cosmetic surgeries • Reconstructive surgery in trauma • Nursing care of patients undergoing reconstructive surgery • Care of pediatric patients undergoing reconstructive surgery • Common postoperative complications	• Lecture	• Seminar

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

PRACTICUM (SKILL LAB & CLINICAL)

Total Hours : 1770 hours (40+1730)

(Skill Lab – 40 hours and Clinical – 1730 hours)

Practice Competencies:

At the end of the program, students will be able to

1. Assess patients with burns
2. Prepare a unit for receiving patients with burns
3. Perform emergency first aid management of burns
4. Care for patients in emergent and acute phase
5. Perform fluid resuscitation in burns patients
6. Perform wound care for burns patients

7. Assess and manage special groups like pediatric, geriatric, pregnant patients with burns
8. Insert PICC line and assist in insertion of other vascular access devices
9. Care for vascular access devices
10. Assist in emergency procedures/surgery in burns
11. Prepare patients for reconstructive surgery
12. Care patients after surgery
13. Counsel patients and family members
14. Undertake infection control measures to prevent infection in burns patients
15. Initiate and participate in rehabilitation of burns patients

CLINICAL POSTINGS
(Clinical – 40 weeks, Rehab/PT – 1 week, Visit – 1 week)

Areas	Duration (weeks)	Clinical Learning Outcomes	Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
Burns centre (Burns casualty and dressing room – 2, Burns ward – 22 and Burns ICU – 8)	32 (2+22+8)	Provide emergent and acute care, nursing care for patients suffering from burns	• Emergency first aid management and transportation to burns unit • History taking • Physical assessment • Assisting in diagnostic tests	• Case study • Case/Clinical presentation	• Clinical evaluation • Case study/ Case presentation/ Case report
		Prepare and assist in fluid resuscitation	• Perform fluid resuscitation • Administer drugs	• Health talk	• Health talk
		Administer analgesics, antibiotics and other drugs			
		Perform and assist in placing VADs and long term catheters	• Care of VADs • Insertion of long term IV access – PICC, central line and daily maintenance	• Demonstration and re-demonstration	
		Administer blood and blood products	• Collect blood for grouping and cross matching • Administer blood and blood products		
		Perform wound care in burns	• Assess wound • Perform wound care • Use different chemical and biological substances and artificial skin for wound cover		
		Perform pre- and post-operative care for patients undergoing emergency surgery and skin graft	• Preparation of patients for surgery • Perform postop care		
		Manage nutrition	• Calculate calorie and plan menu		

Areas	Duration (weeks)	Clinical Learning Outcomes	Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
		for patients with burns	• Administer nutrition for the patients		
		Perform counseling to patients and their relatives	• Support during all phases of disease process • Counsel patients and the relatives		• Counseling report – 01
Burns/ Reconstructive surgery OT	02	Assist in surgery for burns and reconstructive surgery	• Conduct preoperative assessment • Assist in surgery • Care patients in immediate post-operative phase • Follow up patients in burns & reconstructive surgery ward	• Procedure note • Log book	• Clinical evaluation
Reconstructive surgery ward	04	Provide care to patients with reconstructive surgery	• Prepare patients for surgery • Perform wound care • Counsel patients • Perform physiotherapy to prevent contractures and other complications	• Case study • Case/clinical presentation	• Clinical Evaluation
Burns/ Reconstructive surgery OPD	02	Assist in examination of the patients with burns	• History taking • Physical examination and assessment • Emergency resuscitation • Health education	• Health assessment report of patients (history taking and physical examination)	• Clinical evaluation

Rehab/Physiotherapy/Occupational therapy – 1 week

Field trip (Educational visit to national/regional Burns/reconstructive surgery centre – 1 week

APPENDIX 1

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

SKILL LAB REQUIREMENTS

Note: In addition to the basic skill lab requirement of College of Nursing, the following are necessary.

S.No.	Skill Lab Requirement	Number	Skill/Procedure/Purpose
1.	AV Aids 3D Models of a) Skin Layers b) Degree of Burns c) Burn Wound Healing Stages d) Circulatory system showing easily accessible veins and arteries for venipuncture.	 1 1 1 1	To teach: - Basic anatomy of skin - Types of burns - Easily accessible sites for fluid administration
2.	Central Line Insertion Kit, Venesection Kit	1/1	For Securing IV Access
3.	Tracheostomy Set	1	For Securing Airway
4.	Weighing Scale (Patient and Bed)	1/1	To weigh patient for fluid resuscitation
5.	Crash Cart with the following items	1	In Shock Room: To do the initial resuscitation
	a) Resuscitation Drugs (Inotropes and Anaphylactic Drugs)	Minimum 2 ampoules each	

S.No.	Skill Lab Requirement	Number	Skill/Procedure/Purpose
	b) Ambu Bag with Mask, Oxygen Supply c) Defibrillator d) Laryngoscope with blades of all sizes e) Laryngeal Mask Airway f) I-Gel g) Endotracheal Tubes h) Intracaths i) IV Fluids	1 1 1 1 1 Assorted Assorted Assorted	
6.	Splints	Assorted	To prevent contractures
7.	Nutrition Lab with following equipments		
	a) Mixer Grinder b) Saucepans c) Measuring Jars d) Cutlery e) Table Top Kitchen Weighing Scale f) Sieve/Strainer g) Food Calorie Chart	1 2 2 Assorted 1 1 1	To prepare fortified feeds
8.	Dressing Trolley with the following items	1	
	a) Sterile OT Towels b) Kidney Tray c) Dressings Bowls (15 cms) d) Kidney Tray e) HP Deep Drums f) HP Shallow Drum g) MA Deep Drum h) MA Shallow Drum i) Dressing Materials – Gauze Pieces, Gamzee Pads, Crepe Bandages	2 2 2 2 2 1 1 1 1 set/roll different sizes	For Burns Dressings
9.	Instruments		
	a) Artery Forceps b) Dissection Forceps c) Cheatle Forceps d) Blunt Artery Forceps e) Scissors f) Scalpel g) Blades	2 2 2 2 2 2 Assorted	
10.	Type of Dressings	Assorted	
	a) Hydrogel b) Alginate c) Collagen d) Foam e) SSD f) Anticoat g) HydroHeal h) Wet Collagen i) Dry Collagen j) Allevyn Ag Dressing k) Holister l) Comfeel m) Biatain Ag (Non-Adhesive)	1 Sample each for demonstration of application	Dressings to be used for Burns wounds

APPENDIX 2

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

ASSESSMENT GUIDELINES (THEORY & PRACTICUM)

I. THEORY

A. INTERNAL ASSESSMENT

BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING (Part I – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing I including Foundations and Part II – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing II) – TOTAL: 25 marks

- Test Papers and Quiz: 10 marks
- Written Assignments: 10 marks (Code of ethics relevant to burns & reconstructive surgery specialty nursing practice, literature review on EBP in burns & reconstructive surgery nursing/infection control practices, nutritional care of patients with burns and undergoing reconstructive surgery)
- Group Project: 5 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAMS

BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING (Part I – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing I including Foundations and Part II – Burns & Reconstructive Surgery Specialty Nursing II) – TOTAL: 75 marks

Part I – 35 marks (Essay type 1 × 15 marks = 15, Short answers 4 × 4 marks = 16, Very short answers 2 × 2 marks = 4) and Part II – 40 marks (Essay 1 × 15 marks = 15, Short answers 5 × 4 marks = 20, Very short answers 5 × 1 mark = 5)

II. PRACTICUM

A. INTERNAL ASSESSMENT – 75 marks

- OSCE – 25 marks (End of Posting OSCE – 10 + Internal End of Year OSCE – 15)
- Other Practical: 50 marks
  a) Practical Assignments – 20 marks (Clinical Presentation and Case Study Report – 5, Counseling Report/ Visit Report – 5, Drug Study Report – 5 and Health Talk – 5)
  b) Completion of Procedural Competencies and Clinical Requirements – 5 marks
  c) Continuous Clinical Evaluation of Clinical Performance – 5 marks
  d) Final Observed Practical Examinations (Actual Performance in Clinicals) – 20 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAMS – 150 marks

OSCE – **50 marks,** Observed Practical – **100 marks**

Detailed Guidelines given in Guidebook.

APPENDIX 3

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

CLINICAL LOG BOOK

(Specific Procedural Competencies/Clinical Skills)

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/ Observed (P/A/O)	Date and Signature of the Faculty/Preceptor
I	**FOUNDATIONS TO BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING**		
1	Preparation of patient education materials	P	
2	Patient education plan for teaching patients with burns	P	
3	Preparation of duty roster for nursing officers/staff nurses	P	
4	Writing literature review (Identify evidence based nursing interventions/practices)	P	
5	Preparation of a manuscript for publication/paper presentation	P	
6	Group research project Topic:	P	
II	**BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING**		
1	**HEALTH ASSESSMENT**		
1.1	History taking and physical examination for adult patient with burns	P	
1.2	History taking and physical examination for pediatric patient with burns	P	
2	**DIAGNOSTIC PROCEDURES**		
2.1	Collecting blood/urine for investigations	P	
2.2	Performing ABG analysis	P	
2.3	Performing ECG	P	
2.4	Collecting swab for wound culture	P	
3	**VENOUS ACCESS DEVICES (VAD) CARE**		
3.1	Insertion of central catheter and PICC	A/P (as per institutional protocol)	
3.2	Insertion of IV cannula	P	
3.3	Care of central catheter and PICC	P	
4	**EMERGENCY PROCEDURES**		
4.1	Performing Tracheostomy	A	
4.2	Tracheostomy care	P	
4.3	Intubation and mechanical ventilation	A/P (as per institutional protocol)	
4.4	Performing urinary catheterization	P	
4.5	Escharotomy and fasciotomy	A	
5	**FLUID RESUSCITATION**		
5.1	Assessment of BSA burned	P	
5.2	Calculation of fluid requirement	P	
5.3	Administration of fluids	P	
6	**WOUND CARE**		
6.1	Assessment of wound and burned body surface area	P	
6.2	Wound irrigation	P	
6.3	Wound debridement	A/P (as per institutional protocol)	

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/ Observed (P/A/O)	Date and Signature of the Faculty/Preceptor
6.4	Dressing of wound	P	
6.5	Storage of skin	A/P (as per institutional protocol)	
6.6	Use of skin graft	A	
6.7	Use of biological wound cover	A	
7	**NUTRITIONAL MANAGEMENT**		
7.1	Calculation of calorie requirement	P	
7.2	Planning menu	P	
7.3	Administration of oral/enteral/parenteral nutrition	P	
7.4	Assessment of nutritional status periodically	P	
8	**INFECTION CONTROL**		
8.1	Sterilization and disinfection of burn unit	P	
8.2	Biomedical waste disposal	P	
8.3	Barrier nursing	P	
8.4	Fumigation	P	
9	**PHYSIOTHERAPY**		
9.1	Performing chest physiotherapy	P	
9.2	Performing incentive spirometry	P	
9.3	Performing ROM exercises	P	
10	**CARE OF PAEDIATRIC PATIENTS**		
10.1	Pediatric sampling	P	
10.2	Pediatric phlebotomies	P	
10.3	Pediatric drug infusions (dose modifications)	P/A (as per institutional protocol)	
10.4	Nutritional management	P	
11	**QUALITY CONTROL**		
11.1	Preparation of SOP for infection control in burns unit	P	
11.2	Development of nursing standards for care of burns patients	P	
11.3	Conducting unit audit	P	
12	**OTHERS**		
12.1	Consent taking	P	
12.2	Guidance and counseling	P	

* – When the student is found competent to perform the skill, the faculty will sign it.

Students: Students are expected to perform the listed skills/competencies many times until they reach level 3 competency, after which the faculty signs against each competency.

Faculty: Must ensure that the signature is given for each competency only after they reach level 3.

- Level 3 competency denotes that the student is able to perform that competency without supervision.
- Level 2 Competency denotes that the student is able to perform each competency with supervision.
- Level 1 competency denotes that the student is not able to perform that competency/skill even with supervision.

APPENDIX 4

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

CLINICAL REQUIREMENTS

S.No.	Clinical Requirement	Date	Signature of the Faculty/Preceptor
1	**Health Talk (Burns/Reconstructive Surgery OPD, Burns Ward/Reconstructive Surgery Ward)**		
1.1	Topic:		
1.2	Topic		
2	**Counseling Patients and Relatives** Counseling Report – 1		
3	**Health Assessment**		
3.1	Health Assessment (Adult and Pediatric) – History and Physical Examination (Two written reports) 3.1.1. Adult 3.1.2. Pediatric 3.1.3		
4	**Journal Club/Clinical Seminar** Topic:		
5	**Case Study/Clinical Presentation and Report – Burns Ward/Burns ICU – 1 and Reconstructive Surgery Ward – 1** (Nursing/Interdisciplinary Rounds)		
5.1	Name of Clinical Condition:		
5.2	Name of Clinical Condition:		
6	**Drug Study, Presentation and Report** (Two written reports for submission)		
6.1	Drug Name:		
6.2			
6.3			
6.4			
7	**Designing Burns Unit**		
8	**Visits – Reports**		
8.1	National/Regional Burns Centre		

Signature of the Program Coordinator/Faculty **Signature of the HOD/Principal**

APPENDIX 5

POST BASIC DIPLOMA IN BURNS & RECONSTRUCTIVE SURGERY SPECIALTY NURSING

CLINICAL EXPERIENCE DETAILS

Name of ICU	Clinical Condition	Number of Days care given	Signature of the Faculty/Preceptor

Signature of the Program Coordinator/Faculty **Signature of the HOD/Principal**

Dr. T. DILEEP KUMAR, President

[ADVT-III/4/Exty./257/2020-21]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2020.09.28 21:57:59 +05'30'